04 - दावों और हकीकत के बीच भ्रमित समाज

05 - भ्रष्टाचार की गिरफ्त में पूरी दुनिया

A Daily News Magazine

भोपाल

सोमवार, 09 दिसंबर, 2024

06 - कोहरे के कारण कम हुई विजिबिलिटी, हाईवे तितली चौराहे पर...

07 - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नैनिहालों को पिलाई पोलियो की खुराक

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-100 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

पहली बात

'इंडिया' में राहुल के सामने ममता बैनर्जी की चुनौती

उमेश त्रिवेदी

संपादक

9893032101

हरियाणा के बाद महाराष्ट्र के प्रतिष्ठा पूर्ण विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस की प्रतिक्रियाओं में सियासी ठहराव और दोहराव सवा सौ साल पुरानी पार्टी को एक ठहरे हुए राजनीतिक संगठन की धारणाओं की ओर ढकेलता प्रतीत हो रहा है। इसका आभास 'इंडिया गठबंधन' में शरीक क्षेत्रीय दलों के नेताओं की शब्दावली में मिलने भी लगा है, लेकिन कांग्रेस का नेतृत्व इन प्रतिक्रियाओं की इबारत को उनकी भावनाओं के अनुरूप गढ़ने, समझने और पढ़ने के बजाय हाशिये पर लिखी टिप्पणियों की तरह खंगाल रहा है। खंगालने की यह प्रक्रिया बताती है कि कांग्रेस का श्रेष्ठी वर्ग यह मानता है कि ये प्रतिक्रियाएं बुलबुले की तरह हैं, जो तात्कालिक हवाओं का सबब हैं। यह एक अगंभीर रूख है, जो लोकसभा चुनाव की सफलता पर पानी फेर सकता है। इंडिया गठबंधन की सियासत की भटकाव का सबब बन सकता है।

वैसे भी भारतीय जनता पार्टी हरियाणा और महाराष्ट्र में सफलता का परचम फहरा कर लोकसभा चुनाव के सियासी हर्जाने की भरपाई कर चुकी है। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पुराने तेवर लौटने लगे हैं। झारखंड और महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों के बाद इंडिया गठबंधन में मनमुटाव के आसार बढ़ने लगे हैं। क्षेत्रीय दल यह मानने लगे हैं कि भाजपा से सीधी लड़ाई में कांग्रेस कहीं भी नहीं ठहरती है। उन सभी राज्यों में जहां कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी चुनावी लड़ाई थी, कांग्रेस हमेशा हारती रही है। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव परिणाम क्षेत्रीय दलों की इस धारणा की पुष्टि कर रहे हैं।

हरियाणा और महाराष्ट्र की लड़ाई में कांग्रेस को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा है। झारखंड में कांग्रेस झारखंड मुक्ति मोर्चे (झामुमो) की बदौलत अपने वजूद की रक्षा कर सकी है। झारखंड में झामुमो का समर्थन होने के बावजूद कांग्रेस अपनी 2019 की 16 सीटों में एक भी इजाफा नहीं कर सकी। 90 सीटों वाली जम्मू-काश्मीर की विधानसभा में वह मात्र 6 सीटें जीतकर नेशनल कांफ्रेंस के जूनियर पार्टनर के रूप में राजनीति करने के लिए मजबूर है। सफलता का यह स्ट्राइक रेट विपक्षी दलों को आश्वस्त करने वाला तो कतई नहीं हो सकता।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश की दस विधानसभा सीटों के उपचुनावों में समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के साथ तालमेल नहीं हो पाना सामान्य राजनीतिक घटनाक्रम नहीं माना जाना चाहिए। उसी प्रकार पंजाब में आम आदमी पार्टी के साथ सीधी लड़ाई इंडिया गठबंधन के विरोधाभासों का खुलासा करती है कि भविष्य में क्या होने वाला है?

महाराष्ट्र ने हवाओं का रूख बदला है। महाराष्ट्र में कांग्रेस महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के नेतृत्व में 101 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ी थी। उसे मात्र 16 सीटों पर सफलता हासिल हो सकी। दिलचस्प पहलू यह है कि 288 सदस्यों की विधानसभा में एमवीए महज 49 सीटों पर ही खाता खोल सकी। कांग्रेस के लिए ये परिस्थितियां चिंता का सबब होना चाहिए। एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (उद्धव) अपने वजूद के लिए संघर्षरत हैं। इनकी सियासत और सियासी जागीरों पर उनके विरोधियों ने कब्जा कर लिया है। और, भाजपा उनके साथ पेंगें बढ़ा रही है।

लोकसभा चुनाव के परिणामों ने कांग्रेस को विपक्ष की राजनीति के केन्द्र में ला दिया था। ऐसा महसूस होने लगा था अब राहुल गांधी याने कांग्रेस ही विपक्ष की राजनीतिक धुरी होंगे। लोकसभा में राहुल गांधी का सर्वसम्मत नेता प्रतिपक्ष बनना इसका उदाहरण है। अब हालात बदलने लगे हैं। सबसे बड़े सियासी दल के नेता होने के कारण वो संसद में नेता प्रतिपक्ष तो बने रहेंगे, लेकिन इंडिया गठबंधन के उनके सहयोगी उनकी कमांड में काम करेंगे, ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा है। ज्यादातर क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस के सियासी एजेंडे से किनारा करना शुरू कर दिया है। राहुल गांधी अभी भी अंबानी-अडानी को नरेन्द्र मोदी की कमजोर नस मानते हैं, लेकिन उनके कई सहयोगी इस मसले पर उनसे जुगलबंदी करने को तैयार नहीं हैं।

इंडिया गठबंधन में कांग्रेस याने राहुल गांधी की चुनौतियां बढ़ने लगी हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वो देश की गैर भाजपा राजनीति के केन्द्र में खुद को कायम रख पाते हैं अथवा नहीं...। इसके लिए उन्हें खुद की राजनीति को नए सिरे गढ़ना होगा। यह काम आसान नहीं है। हरियाणा चुनाव परिणामो के बाद बंगाल से यह मांग उठी थी कि ममता बैनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व संभालना चाहिए। बाद में ये आवाजें खामोश होने लगी थीं। शायद गठबंधन के घटक दल महाराष्ट्र और झारखंड में भी कांग्रेस को आजमाना चाहते थे। आजमाइश के दौर अब खत्म हो चुके हैं। अब तो बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने ही खुलेआम इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की मंशा जाहिर कर दी है। गौरतलब है कि 2022 में भाजपा का मुकाबला करने के लिए तीन दर्जन से ज्यादा राजनीतिक दलों ने इंडिया गठबंधन का गठन किया था। महाराष्ट्र के नतीजों के बाद टीएमसी सांसद कल्याण बैनर्जी ने कहा था कि बंगाल में भाजपा को हर चुनाव में पटखनी देने वाली ममता बैनर्जी को इंडिया गठबंधन की कमान संभालना चाहिए। उन्होने कटाक्ष किया था कि कांग्रेस तो सिर्फ चुनाव हारना जानती है। ममता बैनर्जी की मंशा का समाजवादी पार्टी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने समर्थन कर दिया है। जाहिर है इंडिया गठबंधन में जोर-आजमाइश शुरू हो चुकी है। संसद के बाहर इंडिया गठबंधन के विरोधाभास सामने आने लगे हैं। महाराष्ट्र में सपा ने बाबरी मस्जिद ध्वंस से संबंधित शिवसेना (उद्धव) के बयान के बाद एमवीए से नाता तोड़ लिया है। वैसे भी अडानी से जुड़े मुद्दों के विरोध के वक्त भी समाजवादी पार्टी और टीएमसी इंडिया गठबंधन के अन्य सहयोगियों के साथ खड़े नजर नही आए थे।

इंडिया गठबंधन में तकरार की यह शुरूआत है। राहुल गांधी भले अपनी राजनीति को विचार की राजनीति कहते रहे हों, लेकिन उनके पास अपनी वैचारिक राजनीति को सजाने, संवारने का संगठनात्मक कैनवास नहीं है, जो उनके सोच को सही तरीके से रेखांकित कर सके। कांग्रेस के किसी नेता के पास यह हुनर नहीं है कि वो शिद्दत से कांग्रेस के वैचारिक कैनवास में अन्य दलों के रंगों को समायोजित करने का काम सफलतापूर्वक कर सके। संगठन में ढाल सके। सिर्फ अडानी-अंबानी के विरोध की लहरों में राजनीतिक ऊर्जा की तलाश अब भटकने लगी है।

हथियार लेकर आए हैं किसान, आगे नहीं जा सकते

पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले, शंभू बॉर्डर पर तनाव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शंभू बॉर्डर से दिल्ली कूच कर रहे 101 किसानों के जत्थे को हरियाणा पुलिस ने रोक लिया। पुलिस और किसानों के बीच बहस हुई। पुलिस ने किसानों से दिल्ली जाने की परमिशन मांगी और कहा कि वे बिना परमिशन के वह दिल्ली नहीं जा सकते। पुलिस ने आरोप लगाया कि किसान हथियार लेकर आए हैं। इसके बाद किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। इस पर हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जिस से अफरातफरी मच गई। आंसू गैस का गोला लगने से बीकेयू क्रांतिकारी के रेशम सिंह घायल हो गए। ऐसे में आज फिर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागकर किसानों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। शंभू बॉर्डर पर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भारी संख्या में तैनाती की गई है। हरियाणा पुलिस ने कहा कि हम पहले किसानों की पहचान करेंगे और फिर उन्हें आगे जाने देंगे। हमारे पास 101 किसानों के नामों की लिस्ट है और ये लोग वे नहीं हैं। वे हमें अपनी पहचान नहीं करने दे रहे हैं। किसान हथियार लेकर आए हैं। ऐसे में उन्हें आगे

नहीं जाने दिया जा सकता। वहीं, किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि हमने 101 किसानों की लिस्ट जारी है और ये वही किसान हैं। वहीं कांग्रेस महासचिव और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को आरोप लगाया कि सरकार किसानों से बातचीत से बच रही है। कुमारी सैलजा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली कूच करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भी स्पष्ट किया है कि किसानों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है और सरकार को उनसे संवाद करना चाहिए। इसके बावजूद, सरकार बातचीत से बच रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा, पंजाब, शंभू और अन्य बॉर्डर्स बंद कर दिए गए हैं, जिससे यह प्रतीत होता है कि सरकार संवाद के रास्ते बंद कर रही है और जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें नजरअंदाज कर रही है। उल्लेखनीय है कि किसान रविवार को भी हरियाणा पंजाब की सीमाओं पर दिल्ली कूच के लिए जद्दोजहद कर रहे थे। किसान नेता सरवन पंधेर के मुताबिक 8-9 किसान घायल हुए। जिसमें एक की हालत गंभीर है। उसे चंडीगढ़ पीजीआई रेफर किया गया है।

रूस-यूक्रेन में भारत के जरिए हो रही है बात

- जयशंकर बोले-हमने कभी डी-डॉलराइजेशन की वकालत नहीं की

दोहा (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कतर में हुए दोहा फोरम में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने डी-डॉलराइजेशन, रूस यूक्रेन वॉर, भू-मध्य सागर और दुनिया भर में फैले तनाव पर बात की। विदेश मंत्री ने बताया कि कैसे भारत, रूस और यूक्रेन से सीधे बात कर रहा है और दोनों देशों को एक-दूसरे

के मैसेज पहुंचा रहा है। दोहा फोरम में डी-डॉलराइजेशन के मुद्दे पर जयशंकर ने कहा कि हमने कभी इसकी वकालत नहीं की है और फिलहाल ब्रिक्स करेंसी का कोई प्रस्ताव नहीं है। ब्रिक्स देश इसे लेकर अलग अलग रुख रखते हैं। दरअसल, डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी डॉलर के अलावा किसी और करेंसी में ट्रेड करने पर ब्रिक्स देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही है। ब्रिक्स में भारत, रूस और चीन समेत 9 देश शामिल हैं। यह उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है।

बीएसएफ का बलिदान एहसास दिलाता है कि भारत अजेय है

जोधपुर में अमित शाह बोले-बॉर्डर की चिंता हमें नहीं, हमारे जवान निपट लेंगे

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस के नाम से जानी जाती है। यही वजह कि सीमा से जब किसी अप्रिय घटना की सूचना आती है तो गृह मंत्री को जरा भी चिंता नहीं होती। यही भरोसा रहता है कि हमारे बीएसएफ के जवान हैं, निपट लेंगे। शामिल हुए। उनके सामने जवानों, श्वान टीम ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। इससे पहले गृह मंत्री को सुबह ठीक 11 बजे बीएसएफ की जीप में एसटीसी स्थित परेड ग्राउंड के मुख्य मंच तक लाया गया। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। परेड से पहले विंग के स्वदेशी हेलीकॉप्टर ध्रुव ने आसमान से

अजेय भारत का विश्वास 140 करोड़ भारतवासियों के दिलों में पैदा हुआ है। इसका पूरा श्रेय सीमा पर खड़े हुए जवानों को जाता है और किसी का इस पर कोई अधिकार नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को जोधपुर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 60वें स्थापना दिवस (राइजिंग डे) परेड में सुरक्षा का जायजा लिया। उधर, बीएसएफ का कार्यक्रम पूरा होने के बाद गृह मंत्री अमित शाह सर्किट हाउस जोधपुर में सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति का अनावरण करने पहुंचे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- मैं बीएसएफ जवानों से कहता हूं- आपकी ड्यूटी कितनी कठिन है।

दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत बरकरार

मुख्यमंत्री ने बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाकर शुरू किया अभियान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पल्स पोलियो के प्रति जागरूकता ही बचाव का पहला कदम है। भारत पोलियो मुक्त देशों में से एक है परन्तु पोलियो मुक्त बने रहने के लिए पोलियो की दो बूंद का उपयोग अवश्य करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में पल्स पोलियो के राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चें जुड़वा बहनें अर्निका और अनाया राय, कनिष्का, नियति, अर्थ और समर्थ को दवा पिलाई। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य श्री संदीप यादव, डब्ल्यू.एच.ओ. के प्रतिनिधि सहित गणमान्य उपस्थित थे।

38 लाख बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 3 दिवसीय पल्स पोलियो अभियान 8 दिसम्बर से 10 दिसम्बर तक आयोजित किया जाएगा। इस अवधि में 38 लाख बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पल्स पोलियो अभियान की सार्थकता तभी है जब कोई भी बच्चा दवा से वंचित न रह जाए। उच्चतम रिहायशी इलाकों से ईंट भट्टे, क्रेशर, निर्माण स्थल, घुमक्कड़ आबादी और झुग्गी बस्तियों में भी पोलियो की दवा पिलाने के लिए मोबाइल टीमें घर-घर, गली-गली जाकर अपने लक्ष्य को पूरा करेंगी। उन्होंने लोगों से आहवान किया कि सजग माता-पिता होने का परिचय दें और अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क पल्स पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं।

दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत बरकरार- दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत बरकरार की भावना से प्रदेश के 16 जिलों में यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर विश्व स्तरीय विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा के प्रति प्रदेश की जनता की ओर से आभार व्यक्त करता हूँ।

मोदी सरकार नया टैक्स स्लैब लाने की तैयारी में

- राहुल बोले-1500 से ज्यादा के कपड़ों पर बढ़ेगा जीएसटी, यह अन्याय है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र सरकार की टैक्स नीति को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने ङ्क पर लिखा कि जीएसटी से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है। जनता की जरूरत की चीजों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है। पूंजीपतियों को छूट दी जा रही है, जबकि आम लोगों को लूटा जा रहा है। राहुल ने कहा, अभी शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे, लेकिन सरकार 1500 रुपए से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12 से बढ़ाकर 18 फीसदी करने जा रही है।

सुप्रभात

क्या तुम जानते हो
पुरुष से भिन्न
एक स्त्री का एकांत?
घर प्रेम और जाति से अलग
एक स्त्री को उसकी अपनी ज़मीन
के बारे में बता सकते हो तुम?
बता सकते हो
सदियों से अपना घर तलाशती
एक बेचैन स्त्री को
उसके घर का पता?
क्या तुम जानते हो
अपनी कल्पना में
किस तरह एक ही समय में
स्वंय को स्थापित और निर्वासित
करती है एक स्त्री?
सपनों में भागती
एक स्त्री का पीछा करते
कभी देखा है तुमने उसे
रिश्तो के कुरुक्षेत्र में
अपने...आपसे लड़ते?
तन के भूगोल से परे
एक स्त्री के
मन की गाँठे खोल कर
कभी पढ़ा है तुमने
उसके भीतर का खौलता इतिहास?
पढ़ा है कभी
उसकी चुप्पी की दहलीज़ पर बैठ
शब्दो की प्रतीक्षा में उसके चेहरे को ?
उसके अंदर वंशबीज बोते
क्या तुमने कभी महसूसा है
उसकी फैलती जड़ो को अपने भीतर?
क्या तुम जानते हो
एक स्त्री के समस्त रिश्ते का व्याकरण ?
बता सकते हो तुम
एक स्त्री को स्त्री-दृष्टि से देखते
उसके स्त्रीत्व की परिभाषा?
अगर नहीं !
तो फिर जानते क्या हो तुम
रसोई और बिस्तर के गणित से परे
एक स्त्री के बारे में.....?

- निर्मला पुतुल

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 09 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कूल-कूल मौसम, ठंड के साए में कश्मीर घाटी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के जोजिला में शनिवार रात तापमान -18 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार रात को पारा -25 डिग्री और सोमवार रात को -29 डिग्री तक गिर सकता है। वहीं, श्रीनगर का तापमान पिछली रात -0.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। हालांकि, दिसंबर का पहला हफ्ता खत्म होने के बाद भी उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में सर्दी की चुभन महसूस नहीं हो रही है। ज्यादातर शहरों में दिन का तापमान 25 से 31 डिग्री के बीच है, जबकि इस समय तक इन इलाकों का तापमान 22 से 28 डिग्री के बीच रहता है।

● जोजिला में पारा 18 ए तक पहुंचा, कंपकंपा रहे लोग

● गंगा-सिंधु बेसिन में स्नोकवर 6 साल में सबसे कम

ऐसा गंगा और सिंधु नदी बेसिन में बर्फ का स्तर (स्नोकवर) कम होने की वजह से हो रहा है। इन इलाकों में स्नोकवर बीते छह सालों के सबसे निचले स्तर पर है। गंगा नदी बेसिन में तो यह पिछले साल की तुलना में 40 फीसदी तक कम है। वहीं, सिंधु नदी बेसिन में 10 से 20 फीसदी तक कम है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, सर्दी के मौसम में भी बर्फ का स्तर घटता-बढ़ता रहता है, क्योंकि अमूमन हफ्ते में एक-दो बार बर्फबारी होती है। इस बार मानसून खत्म होने के बाद आए सभी पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) कमजोर थे। इसके चलते बर्फबारी कम हुई और स्नोकवर जितना बढ़ना चाहिए था, वह नहीं बढ़ा। हिमालय से आने वाली उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से ही उत्तर से मध्य भारत के मैदानी इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ती है। सीजन में जितने ज्यादा सक्रिय और लंबे पश्चिमी विक्षोभ आते हैं, सर्दी उतनी ज्यादा पड़ती है। इस बार उत्तर से मध्य भारत तक सभी राज्यों में औसत तापमान सामान्य से ज्यादा बना हुआ है। पिछली सर्दी में दिसंबर से फरवरी तक अल-नीनो परिस्थितियां थीं। उसके बावजूद हिमालय पर सामान्य से ज्यादा स्नोकवर के कारण ही ज्यादा सर्दी पड़ी थी। स्काईमेट के साइंटिस्ट महेश पलावत ने बताया कि आईएमडी समेत कई मौसमी मॉडल्स ने संकेत दिए हैं कि दिसंबर में तापमान सामान्य से ज्यादा रह सकता है। इसका मतलब है कि पश्चिमी विक्षोभ कम आएंगे और कम ही सक्रिय रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर होंगे राहुल नार्वेकर

● विपक्ष के 105 विधायकों ने शपथ ली, सीएम फडणवीस से मिलकर डिप्टी स्पीकर का पद मांगा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन विपक्ष के 105 विधायकों ने शपथ ली। इन सभी ने ईवीएम के मुद्दे पर 7 दिसंबर को शपथ लेने से

इनकार करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया था। कांग्रेस के नाना पटोले, विजय वडेट्टीवार और अमित देशमुख, एनसीपी-शरद नेता जितेंद्र अव्हाड, शिवसेना यूबीटी के आदित्य ठाकरे ने सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही शपथ ली। शनिवार को 173 विधायकों ने शपथ ली थी। हालांकि इनमें अबू आजमी और रईस शेख भी शामिल रहे। अब बाकी बचे 9 विधायक सोमवार को शपथ लेंगे। इधर, राहुल नार्वेकर आज पद के लिए नामांकन भर दिया है। कोलाबा सीट से विधायक नार्वेकर का निर्विरोध चुना जाना तय है क्योंकि किसी और उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है।

महाराष्ट्र में 103 किसानों को वक्फ बोर्ड ने थमाया नोटिस

● 300 एकड़ जमीन पर किया दावा, किसान बोले-वक्फ हमारे पुश्तैनी खेत हड़पना चाहता है

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में किसानों ने शनिवार को आरोप लगाया है कि राज्य वक्फ बोर्ड उनकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। दरअसल, करीब 300 एकड़ जमीन पर दावे का मामला महाराष्ट्र स्टेट वक्फ ट्रिब्यूनल में चल रहा है। इस संबंध में बोर्ड ने लातूर के 103 किसानों को नोटिस भेजा है। मामलें में दो सुनवाई हो चुकी हैं। अगली सुनवाई 20 दिसंबर को होनी है। इस पर किसानों ने दावा किया है कि यह वक्फ की संपत्ति नहीं है, उनकी पुश्तैनी जमीन है। वे पीढ़ियों से इस पर खेती करते आ रहे हैं। किसानों ने महाराष्ट्र सरकार से न्याय दिलाने की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काजी ने इससे इनकार किया है। उन्होंने मीडिया को बताया कि बोर्ड की तरफ से किसी को नोटिस नहीं भेजा गया है। किसी जमीन पर दावा भी नहीं किया गया है। एक व्यक्ति ने ट्रिब्यूनल में अपील की है, सिर्फ उसे नोटिस भेजा गया है।

आयशर ट्रक और ट्रेक्टर की हुई आमने सामने की सीधी भिड़ंत, तीन गंभीर

रायसेन। रायसेन जिले के सांची के दीवानगंज के पास आयशर ट्रक और ट्रेक्टर की हुई आमने सामने की सीधी भिड़ंत,ट्रक सवार मोके से हुआ फरार तो बहीं ट्रेक्टर पर सवार सभी तीनो लोग गंभीर रूप से हुये घायल सभी को प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल किया रेफर। बताया जा रहा है कि ट्रेक्टर सवार सभी लोग रायसेन से धान की फसल बेचकर वापस अपने गांव कायमपुर जा रहे थे तभी बीती देर रात हुआ ये भीषण हादसा।

कांग्रेस के ट्रेनिंग कैंप में कराटे यूनिफॉर्म में दिखे राहुल गांधी

● जयपुर में सीखा सेल्फ डिफेंस, राजस्थान के नेताओं को एंट्री नहीं

जयपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी रविवार सुबह 1 दिन के दौरे पर रविवार सुबह करीब 7 बजे जयपुर पहुंचे। राहुल गांधी खेड़ापति बालाजी (सामोद) में कांग्रेस के 'नेतृत्व संगम' ट्रेनिंग कैंप में शामिल हो रहे हैं। आठ दिन से चल रहे ट्रेनिंग कैंप के सुबह के सेशन में राहुल गांधी ने सेल्फ डिफेंस की भी ट्रेनिंग ली। वे ट्रेनिंग कैंपस में कराटे यूनिफॉर्म में नजर आए। इससे पहले रविवार सुबह जयपुर एयरपोर्ट पर उनका पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष (पीसीसी चीफ) गोविंद सिंह,नेता

प्रतिपक्ष टीकाराम जूली,उप नेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने स्वागत किया। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राहुल गांधी को सूत की माला पहनाई। पीसीसी चीफ ने उन्हें गुलदस्ता भेंट किया। कार्यक्रम के अनुसार सुबह 9 बजे ट्रेनिंग में पहुंचेंगे और दोपहर 3 बजे वापस एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। नेतृत्व संगम में राहुल गांधी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे। कांग्रेस का यह ट्रेनिंग कैंप हर साल होता है। दो साल पहले माउंट आबू में भी यह ट्रेनिंग प्रोग्राम हुआ था। माउंट आबू के स्वामी नारायण धर्मशाला में कांग्रेस के ट्रेनिंग कैंप में शामिल हुए थे। इस ट्रेनिंग कैंप में देशभर के चुनिंदा कांग्रेस नेता शामिल हो रहे हैं। राजस्थान के कांग्रेस नेताओं को ट्रेनिंग कैंप में जाने की अनुमति नहीं है।

रीवा में स्कूल में प्रधानाध्यापक का झूम बराबर-झूम शराबी

स्कूल के गेट पर लड़खड़ाकर तीन बार गिरा, रविवार को कलेक्टर ने किया निलंबित

रीवा (नप्र)। रीवा के शासकीय हाई स्कूल जवा में प्रधानाध्यापक मुन्ना लाल कोल का शराब पीकर नशे में विद्यालय में झूमते हुए वीडियो सामने आया है। बताया गया कि वीडियो शनिवार दोपहर का है। वीडियो सामने आने के बाद रविवार को कलेक्टर ने शराबी प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया है।

बताया गया कि पिछले दिनों भी मास्टर साहब का वीडियो जमकर वायरल हुआ था। दरअसल पूरा मामला शासकीय हाई स्कूल जवा का है। पिछले दिनों जब मास्टर साहब का शराब के नशे में वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी ने उक्त वीडियो को संज्ञान में लिखते हुए संकुल प्राचार्य हरि मणि त्रिपाठी को विद्यालय का निरीक्षण करने के लिए निर्देश दिए थे।

प्रधानाध्यापक ने नशे में जमकर उत्पात मचाया- जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर संकुल प्राचार्य ने मौके पर विद्यालय में पहुंचकर जांच की तो पता चला टीचर ने नशे में जमकर हंगामा किया था। इस मामले में संकुल प्राचार्य ने मौके पर उपस्थित लोगों से बयान लेकर जिला शिक्षा

अधिकारी को प्रतिवेदन प्रेषित किया है। फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उधर जिला शिक्षा अधिकारी से पहले कलेक्टर ने शराबी शिक्षक को निलंबित कर दिया है। बताया गया कि जिले में शराबी शिक्षक से जुड़ा यह पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी शराबी शिक्षक के वीडियो वायरल हो चुके हैं।

संकुल प्राचार्य हीरामणि त्रिपाठी ने बताया कि शराबी शिक्षक आए दिन शराब के नशे में स्कूल पहुंचता है और स्कूल के अन्य शिक्षकों और बच्चों से अभद्रता करता है। उसने मेरे साथ भी अभद्रता की। शराबी शिक्षक के इस तरह हरकतों से स्कूल में भय का माहौल निर्मित हो गया। बच्चे स्कूल आने में डरने लगे हैं।

कलेक्टर बोलीं- शिक्षक गरिमा वाला पद- कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि जवा में पदस्थ एक शिक्षक का शराब के नशे में वीडियो सामने आया है। उनका व्यवहार काफी खराब नजर आ रहा है। शिक्षक का पद बेहद ही मर्यादा और गरिमा रखता है। इसलिए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जा रहा है। आगे भी शिक्षक पद की गरिमा को कलंकित करने वाले या शराब के नशे में आने वाले शिक्षकों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

साथी शिक्षक बोले,गिरते-पड़ते स्कूल आते हैं- सितलहा स्कूल में पदस्थ शिक्षक पन्नालाल और राजन ने बताया कि आए दिन मुन्ना लाल स्कूल शराब के नशे में पहुंचते हैं। वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। कभी लड़खड़ाते हुए स्कूल पहुंचते हैं। तो कभी बच्चों के सामने ही शराब के नशे में लड़खड़ा कर गिर जाते हैं। शराबी शिक्षक ने शिक्षक पद की गरिमा को स्कूल के भीतर ही तार-तार कर दिया है। स्कूल में पदस्थ सभी शिक्षक उससे काफी परेशान हैं। कई बार गुजारिश भी की गई की शराब के नशे में स्कूल न पहुंचे। लेकिन रोजाना उनका यही ड्रामा रहता है।

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की खजुराहो में प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामा

छतरपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की खजुराहो में प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामा हो गया। फिल्म कलाकार राजा बुंदेला पर व्यापारी ने 32 लाख रुपए का पैमेंट नहीं करने के आरोप लगाये हैं। उन्होंने कहा टूर और ट्रेवेल्स का काम करने वाले के 2017 से नहीं कर रहे पेमेंट, खजुराहो इन्टनेशन फिल्म फेस्टिवल के कंपनी के आयोजक हैं। आरोप लगाने वाले व्यापारी का आरोप है कि रूपये मांगने पर राजा बुंदेला धमकी दे रहे हैं। व्यापारी ने मंत्री के सामने बोला यदि पैमेंट नहीं मिला तो 11 दिसम्बर को सीएम के सामने करेंगे आत्मदाह।

हमारे लिए अच्छी संस्कृति, जीवन मूल्य और परंपराएं सर्वोपरि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन एक आदर्श साहित्यकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और राजनेता थे ● पूरे प्रदेश में बनाई जा रही हैं गौशालाएं ● 'मालव देश गहन गंभीर, डगडग रोटी, पग पग नीर' उक्ति फिर होगी चरितार्थ ● मुख्यमंत्री ने शाजापुर में लगभग 50 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया

भोपाल/शाजापुर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन चरित्र गीता में समाहित है और गीता सदैव हमारी प्रेरणा रही है, यही कारण है कि आज दुनिया की लाखों सभ्यताएं नष्ट भ्रष्ट हो गई परंतु हमारी हस्ती आज भी कायम है। हमने हमेशा आध्यात्म को सर माथे रखा। हमारे लिए अच्छी संस्कृति, जीवन मूल्य और परंपराएं सर्वोपरि हैं। प्रदेश में जिन स्थानों पर भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े उन्हें मथुरा, वृंदावन की तरह ही विकसित किया जाएगा। प्रदेश भर में आज से 12 तारीख तक गीता उत्सव मनाया जा रहा है, जिसमें गीता के माहात्म्य और शिक्षाओं को घर-घर पहुंचाया जाएगा। गीता, गंगा और गौ माता हमारी भाग्य विधाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को शाजापुर में नवीन बस स्टैंड के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 22 करोड़ 43 लाख 37 हजार रूपये लागत के 13 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 27 करोड़ 58 लाख 64 हजार रूपये लागत के 11 कार्यों का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित रचना पाठ में भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन एक आदर्श साहित्यकार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और राजनेता थे। उनके ही कारण शाजापुर में रेलवे लाइन आई। मैं उनकी दूण इच्छा शक्ति और रचनाधर्मिता को नमन करता हूं। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी भी महान कवि थे। कवियों और साहित्यकारों का समाज के उत्थान में बहुमूल्य योगदान है। यदि महर्षि वाल्मीकि नहीं होते तो भगवान श्रीराम के और यदि वेदव्यास न होते तो भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध आयामों को जन-जन तक कौन पहुंचाता। मैं मालवा के महान कवि महाकवि कालिदास और घटखर्पर को भी नमन करता हूं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौ-माता हमारे लिए अत्यंत पूजनीय है। पूरे प्रदेश में गौशालाएं बनाई जा रही हैं और जनता को घर-घर गाय पालने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिस घर में गए पलती है वह घर गोकुल ही तो है। किसानों को खेती के लिए पर्याप्त पानी और बिजली के साथ ही दुग्ध उत्पादन के लिए प्रेरित किया जा रहा है, सरकार दुग्ध खरीदी पर बोनस देगी। वर्तमान में प्रदेश में पूरे देश का 9 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन होता है, सरकार इसे 20त्न तक पहुंचाने के लिए प्रयत्नशील है।

दो सरपंचों को पंचायत का प्रगति पत्रक सौंपा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले की ग्राम पंचायत खोरियाएमा सरपंच श्रीमती अनिता पाटीदार एवं सुन्दरसी सरपंच श्री देवीसिंह छावड़ी को ग्राम पंचायत का प्रगति पत्रक सौंपा। उल्लेखनीय है कि शाजापुर कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की पहल पर ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, कृषि एवं उद्यानिकी, राजस्व, स्कूल शिक्षा के संबंध में हुए कार्यों की जानकारी का संकलन किया गया है। यह पंचायत प्रगति पत्रक ग्राम पंचायतों में महत्वपूर्ण योजनाओं के लक्ष्य एवं प्रगति की संख्यात्मक जानकारी को प्रदर्शित करता है, इससे योजनाओं के मूल्यांकन में आसानी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बस स्टैंड के लोकार्पण समारोह में हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया। इस अवसर पर सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी और विधायक श्री अरूण भीमावद ने संबोधित किया। साहित्य अकादमी के निदेशक श्री विकास दुबे ने बालकृष्ण शर्मा नवीन का जीवन परिचय दिया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण एवं शाजापुर जिले के प्रभारी श्री नारायण सिंह कुशवाह, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार सहित विधायक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

सीरियाई राष्ट्रपति देश छोड़कर भागे, मौत की आशंका

सेना बोली-उनकी सत्ता खत्म, विद्रोहियों ने जमाया कब्जा

दमिश्क (एजेंसी)। सीरिया में विद्रोही बलों ने रविवार को राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया और 50 साल से चल रहे असद परिवार के शासन को खत्म कर दिया। सीरिया में तानाशाही युग समाप्त होने के बाद लोग

सड़क पर उतरकर जश्न मना रहे हैं। इस बीच ऐसी रिपोर्ट आई है कि राष्ट्रपति बशर अल असद की देश छोड़कर भागने के दौरान मौत हो गई है। अपुष्ट खबरे हैं कि सीरियाई तानाशाह का

विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है या विद्रोहियों ने उनके विमान को मार गिराया। सीरियाई तानाशाह का विमान रहस्यमयी तरीके से गायब हो गया है। हयात तहरीर अल शाम ने सीरियाई तानाशाह बशर के खिलाफ युद्ध की शुरुआत 13 साल पहले शुरू किया था। इतने लंबे वक्त से चल रहे संघर्ष के बाद विद्रोही गुटों को सफलता मिल गई है। सीरियाई सेना और प्रधान मंत्री ने विद्रोहियों को नियंत्रण सौंपने के लिए बयान जारी किए है, लेकिन राष्ट्रपति बशर का अभी तक पता नहीं चल पाया है। सरकार विरोधी ताकतें सैन्य अधिकारियों और खुफिया अधिकारियों से पूछताछ कर रही हैं, जिनके पास उनके ठिकाने के बारे में जानकारी हो सकती है। बशर के लापता होने के कारण अटकलें लगाई जा रही हैं कि उनकी मौत हो गई है। ये भी दावे किए जा रहे हैं कि विद्रोही गुटों ने उनके विमान को मार गिराया। सोशल मीडिया पर चर्चा हैं कि उनके विमान को उस समय मार गिराया गया जब वह देश से भागने का प्रयास कर रहे थे। ओपन सोर्स फ्लाइट ट्रैकर्स ने खुलासा किया कि दमिश्क से रवाना होने वाला अंतिम विमान इल्युशिन-76 था। ऐसा माना जा रहा है कि उसमें बशर सवार थे। उनका विमान रडार से गायब हो गया है। ओपन सोर्स फ्लाइट ट्रेकर्स के मुताबिक, विमान ने दमिश्क के हवाई अड्डे पर विद्रोही लड़ाकों के कब्जे से कुछ समय पहले उड़ान भरी थी। डेटा के अनुसार, विमान ने उत्तर की ओर मुड़ने से पहले पूर्व की ओर उड़ान भरी।

भाप्रसे अधिकारियों के तबादले

भोपाल। भाप्रसे अधिकारियों के देर रात तबादले किए हैं।

- **के. सी. गुप्ता** (1992)-अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक निर्माण विभाग तथा अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, संसदीय कार्य विभाग (अतिरिक्त प्रभार)

नवीन पदस्थापना -राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव, राजभवन भोपास

- **मुकेश चन्द्र गुप्ता** (1998)- राज्यपाल के प्रमुख सचिव,राजभवन, भोपाल
- **नवीन पदस्थापना**- सचिव म.प्र. मानव अधिकार आयोद भोपाल।
- **अमित तोमर** (2009)- अपर सचिव, 'कार्मिक', मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग- पंजीयन महानिरीक्षक एवं अधीक्षक मुद्रांक म.प्र. भोपाल
- **श्री छोटे सिंह** (2010)- अपर आयुक्त (राजस्व), ग्वालियर संभाग, ग्वालियर

नवीन पदस्थापना- संचालक पंचायत राज,भोपाल

- **दिनेश कुमार मौर्य** (2012)- उप सचिव,मध्यप्रदेश शासन,राजस्व विभाग

नवीन पदस्थापना- वि.क.अ. सह नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल।

- श्री अरूण कुमार परमार (2012), अपर आयुक्त (राजस्व), रीवा संभाग रीवा-

नवीन पदस्थापना-उप सचिव मुख्यमंत्री

- **सुश्री रजनी सिंह** (2013) - अपर आयुक्त, वाणिज्यिक कर, इन्दौर तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, इन्दौर (अतिरिक्त प्रभार)-

नवीन पदस्थापना- वि.क.अ. सह श्रम आयुक्त म.प्र. इंदौर तथा प्रबंध संचालक, म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, इंदौर अतिरिक्त प्रभार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनकल्याण पर्व की तैयारियों संबंधी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर दिए निर्देश।

पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर की मां का निधन

- लंबे समय से थी बीमार, आज सुबह भोपाल में होगा अंतिम संस्कार

भोपाल (नप्र)। भोपाल की पूर्व सांसद और बीजेपी नेत्री साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर की मां सरला सिंह का आज (रविवार) सुबह करीब 9:30 बजे निधन हो गया, वे लंबे समय से बीमार चल रहीं थीं। भोपाल में ही उनका इलाज चल रहा था।

आज होगा अंतिम संस्कार

प्रज्ञा के करीबियों ने बताया कि पूर्व सांसद की मां सरला सिंह का अंतिम संस्कार आज सोमवार को भदभदा विश्राम घाट पर किया जाएगा। सुबह 10 बजे भोपाल के 74 बंगला स्थित आवास बी-29 से उनकी अंतिम यात्रा भदभदा विश्राम घाट के लिए निकलेगी।

इंदौर एयरपोर्ट पर 26 लाख की विदेशी करेंसी जब्त

- शारजाह जा रहे यात्री के पास मिले 5 देशों की करेंसी, पूछताछ जारी

इंदौर (नप्र)। इंदौर एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने शनिवार देर रात एक व्यक्ति को विदेशी करेंसी के साथ पकड़ा है। यात्री इंदौर से शारजाह जा रहा था। जिसके पास से 26 लाख रुपए की विदेशी करेंसी में डॉलर और यूरो जब्त किए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसियां अभी यात्री से पूछताछ कर रही है।

बता दें कि हर शनिवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट इंदौर से शारजाह के लिए उड़ान भरती है। फ्लाइट नंबर आईएक्स-255 शनिवार रात 12 बजे इंदौर से उड़ान भरती है। बताया जा रहा है कि, जब यात्री का बैग एक्स-रे मशीन से गुजरा तो उसके असंतोषजनक जवाबों पर संदेह होने पर अधिकारियों ने उसके बैग की जांच की और उसमें छिपा हुआ नोट बरामद किया। एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, विदेशी मुद्रा को सीमा शुल्क अधिनियम 1962 और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम 1999 के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया है और अब सीमा शुल्क विभाग की टीम यात्री से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि विदेशी मुद्रा कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

पांच से ज्यादा देशों के करेंसी मिले

अमेरिकी डॉलर- 8000
न्यूजीलैंड डॉलर- 500
पाउंड- 60
रियाल- 40
यूरो- 19665

साथ बैठकर तीनों पिया करते थे शराब, झगड़ा हुआ तो दो गार्डों ने युवक की हत्या कर जला दिया शव

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर शहर के ओमती थाना क्षेत्र में पुराने बस स्टैंड के पास एक भवन में पुलिस को आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना पर जब पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और आग पर नियंत्रण पाया, तो अंदर एक अधजला शव मिला। युवक की पहचान घटनास्थल के सामने ही चाय की दुकान लगाने वाले नया मोहल्ला निवासी विकास पटेल के रूप में हुई। मौके पर मिले दो निजी सुरक्षा कर्मी हेमराज और ज्ञानी ठाकुर से जब सख्ती से पूछताछ की गई तो जघन्य हत्याकांड का पता चला।

एसीएस श्री मंडलोई ने लिया लोड डिस्पैच सेंटर की कार्यप्रणाली का जायजा

भोपाल (नप्र)। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई ने म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्यालय जबलपुर में नयागांव स्थित लोड डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। श्री मंडलोई ने निरीक्षण के दौरान स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर की साइबर सिक्योरिटी के संबंध में जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि इस संबंध में मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की साइबर सिक्योरिटी संबंधित प्रक्रियाओं को राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा, अन्य प्रदेशों के लोड डिस्पैच सेंटरों को अनुपालन करने की सलाह दी गई है। श्री मंडलोई ने स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर जबलपुर में अत्याधुनिक तकनीक के उपकरणों की सहायता से प्रदेश की विद्युत प्रणाली के रियल टाइम मॉनिटरिंग, समूचे प्रदेश एवं ग्रिड के सब-स्टशेनों से आने वाले डेटा, ग्रिड अनुशासन, एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब-स्टेशनों के लोड पैटर्न, एनर्जी अकाउंटिंग, ओपन एक्सेस आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए।

डिजास्टर मैनेजमेंट की तैयारी जानी

अपर मुख्य सचिव श्री मंडलोई ने प्रदेश में बिजली संकट की स्थिति में स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर के डिजास्टर मैनेजमेंट संबंधित तैयारी की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि लोड डिस्पेच सेंटर में समय-समय पर मॉक ड्रिल और आई लैंडिंग स्कीम से सिस्टम की विश्वसनीयता और विपरीत परिस्थितियों से निपटने के इंतजामों का परीक्षण किया जाता है। श्री मंडलोई ने लोड डिस्पेच सेंटर में मध्यप्रदेश में बिजली व्यवस्था बनाए रखने के लिए की जाने वाली पॉवर शिड्यूलिंग, विद्युत उत्पादन गृहों से समन्वय, मध्यप्रदेश की 400 के.व्ही. की ट्रांसमिशन लाइनों में पॉवर फ्लो, रिन्यूअल इनर्जी का उत्पादन जैसे अनेक अन्य तकनीकी विषयों की जानकारी ली। उन्होंने वन-नेशन-वन ग्रिड की अवधारणा को भी समझा और प्रदेश में सोलर एनर्जी के बढ़ते उत्पादन को ग्रिड के साथ इंटीग्रेट करने की चुनौतियों पर भी चर्चा की। श्री मंडलोई ने देश के सर्वश्रेष्ठ लोड डिस्पेच सेंटर्स में से एक मध्यप्रदेश के लोड़ डिस्पेच सेंटर की विश्व स्तरीय व्यवस्थाओं और उसकी कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि इतने कॉम्पलेक्स सिस्टम को 24X7 सटीकता से चलाना एक बड़ा चुनौतीपूर्ण टास्क है। निरीक्षण के समय श्री मंडलोई के साथ मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी, स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर के मुख्य अभियंता श्री प्रदीप सचान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल में एनसीसी का पैरासैलिंग कैंप शुरू

रोजाना 60-70 कैडेट्स हवा में उतरेंगे; 16 दिसंबर तक चलेगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के दशहरा ग्राउंड में रविवार को एनसीसी कैडेट्स के लिए पैरासैलिंग गतिविधि कैंप का शुभारंभ किया गया। इस दौरान 70 कैडेट्स ने पैरासैलिंग की। यह आयोजन 16 दिसंबर तक चलने वाला है। इसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 500 कैडेट्स भाग ले रहे हैं। 9 दिन तक चलने वाले इस कैंप का आयोजन एनसीसी ग्रुप मुख्यालय भोपाल द्वारा किया जा रहा है। इसका नेतृत्व मेजर जनरल विक्रांत एम. धूमने, एडीजी, एमपी और सीजी डीटीई कर रहे हैं। इस कैंप में रोजाना 60 से 70 कैडेट्स पैरासैलिंग करेंगे। इस दौरान वे पैरासैलिंग के गुर भी सीखेंगे। इस आयोजन की नोडल एजेंसी लियो एडवेंचर है। एजेंसी की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। कैडेट्स को प्रैक्टिस और मार्गदर्शन देने के लिए एक्सपर्ट्स भी बुलाए गए हैं, जिनकी देखरेख में यह आयोजन हो रहा है।

कोचिंग टीचर ने की दो बहनों से ज्यादती

- 8 महीने से कर रहा था ब्लैकमेल
- विरोध किया तो बंधक बनाया, कहा-जिंदा नहीं लौटोगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक कोचिंग टीचर बदनाम करने और जान से मारने की धमकी देकर दो बहनों के साथ दुष्कर्म कर रहा था। इनमें से एक 14 साल और दूसरी 20 साल की है। वह एक्स्ट्रा क्लास के नाम पर दोनों बहनों को अलग-अलग समय पर कोचिंग बुलाकर उनके साथ अश्लील हरकतें करता था।

आरोपी ने शनिवार को भी दोनों बहनों को एक साथ बुलाया। उनके साथ गलत काम किया। इन हरकतों से तंग आ चुकी नाबालिग शाम को करीब 7 बजे कोचिंग से घर लौटी तो रोते हुए मां को सारा घटनाक्रम बताया। मां ने परिवार वालों को मामले की जानकारी दी। रात करीब आठ बजे सभी थाने पहुंचे।

मेडिकल जांच के बाद पुलिस ने देर रात 2:30 बजे एफआईआर दर्ज कर ली। आरोपी के घर दबिश दी लेकिन वह नहीं मिला। रविवार सुबह मुखबिर की सूचना पर उसे हिरासत में ले लिया गया। आरोपी वीरेंद्र त्रिपाठी भोपाल के छोला मंदिर इलाके स्थित रीत नगर में कोचिंग चलाता है।

16 अप्रैल को पहली बार बैड टच किया: टीआई सुरेश चंद्र नागर ने बताया, 14 साल की पीड़िता 8वीं जबकि 20 साल की पीड़िता 12वीं क्लास की पढ़ाई प्राइवेट स्कूल से कर रही हैं। दोनों रिश्ते में बहन हैं और छोला थाना क्षेत्र में एक ही घर में रहती हैं। कोचिंग संचालक वीरेंद्र त्रिपाठी ने 16 अप्रैल 24 को 14 वर्षीय पीड़िता के साथ पहली बार छेड़खानी की। नाबालिग डर के कारण चुप रही, इसी का फायदा उठाकर आरोपी आए दिन छेड़खानी करने लगा।

पीड़िता से बोला- जिंदा नहीं लौटोगी: अक्टूबर महीने से आरोपी नाबालिग को एक्स्ट्रा क्लास के नाम पर दूसरे बच्चों से अलग समय पर बुलाने लगा। इस दौरान वह उसके साथ अश्लील हरकतें करता था। परेशान होकर नाबालिग ने मामले की जानकारी इसी कोचिंग में पढ़ने वाली बड़ी बहन को दी। 10 अक्टूबर को बड़ी बहन विरोध दर्ज कराने छोटी बहन के साथ उसकी ट्यूशन टाइमिंग में कोचिंग सेंटर पहुंची।

जागरूक करने दौड़ा भोपाल

'रन भोपाल रन 2024' में हजारों लोग हुए शामिल, ट्रैफिक नियमों के पालन का दिया संदेश

भोपाल (नप्र)। ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता के लिए भोपाल में 'रन भोपाल रन 2024' का आयोजन रविवार सुबह टीटी नगर स्टेडियम से किया गया। 'रन भोपाल रन' की शुरू हुई, यह दौड़ 10 किलोमीटर की रही। जिसमें हजारों की संख्या में शहर वासियों ने भाग लिया। खास बात ये है कि इस जागरूकता दौड़ में शहर के सभी आयु वर्ग के लोगों ने भाग लिया। इस आयोजन में तीन कैटेगरी में दौड़ हुई, जिसमें 21 किमी. 10 किमी व 5 किमी की दौड़ में लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में शहर की महापौर मालती राय और मंत्री विश्वास सारंग भी मौजूद रहे। 10 किमी की दौड़ सुबह 5.30 बजे से शुरू हुई दौड़ टीटी नगर स्टेडियम से शुरू हुई, जो मेन गेट से जैन मंदिर होकर प्लेटिनम प्लाजा, अटल पथ, जवाहर चौक,भारत माता चौराहा, स्मार्ट रोड, पॉलिटेक्निक चौराहा, यू-टर्न लेकर स्मार्ट रोड, भारत माता चौराहा, जवाहर चैक, अटल पथ, प्लेटिनम प्लाजा होकर टीटी नगर स्टेडियम पर समाप्त हुई। बता दें कि इस आयोजन के लिए कुल रजिस्ट्रेशन करीब 11 हजार से अधिक हुए, जिसमें 1000 से अधिक लोगों ने 21 किमी., 2500 से अधिक ने 10 किमी और करीब 7500 ने 5 किमी की कैटेगरी में भाग लिया।

सुबह 6 बजे से शुरू हुई दौड़

यह दौड़ सुबह 6 बजे से टीटी नगर स्टेडियम से प्रारंभ हुई, जो मेन गेट से जैन मंदिर होकर प्लेटिनम प्लाजा, अटल पथ, जवाहर चौक, भारत माता चैराहा, यू-टर्न लेकर जवाहर चैक, अटलपथ, प्लेटिनम प्लाजा होकर टीटी नगर स्टेडियम पर समाप्त हुई। वहीं 21 किमी की दौड़ भी इसमें आयोजित की गई, जिसमें कुछ प्रोफेशनल रनर्स ने भाग लिया।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

सुसाइड से पहले सास से बोली- दुआएं देती रहा करो

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पिपलानी इलाके में स्थित आनंद नगर की जेपी कॉलोनी में रहने वाली महिला ने शनिवार को फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। आत्महत्या से पहले उसने अपनी सास को नहलाया था। उन्हें धूप में बैठाया, इसके बाद बोली कि दुआएं देती रहा करो। इससे पहले उसने पति से शाम में शॉपिंग कराने की बात भी कही थी। दोपहर के समय उसने गमछे का फंदा बनाकर जान दे दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रविवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

दो दिन पहले ही भोपाल लौटी थी

सौरभ मौर्या के मुताबिक, शिवानी मौर्या (22) और उनकी शादी 3 साल पहले हुई थी। वो दोनों ही उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले हैं। वो 6 साल से परिवार के साथ भोपाल रह रहे हैं। सौरभ लोन कंसल्टेंसी का काम करता है। शिवानी 5 दिसंबर को ही जौनपुर से लौटी थी। वहां वो अपने चचेरे भाई की सगाई में गई थी। उसके परिवार में माता-पिता, 2 दो बहनें और एक भांजी रहती है। घटना के समय पिता, दोनों बहने काम पर गए थे। भांजी स्कूल गई थी और वो ज्योति टॉकीज स्थित अपने ऑफिस गया था।

पति बोला- कोई विवाद नहीं था

महिला के पति सौरभ ने बताया कि उनके बीच किसी भी तरह का कोई विवाद नहीं चल रहा था। शिवानी बेहद खुश थी। सौरभ की बहन का रिश्ता भी होने जा रहा है। जिसको लेकर शिवानी ने शनिवार सुबह सौरभ से कहा था कि शाम को शॉपिंग पर चलेंगे। आत्महत्या करने की कोई भी वजह नहीं थी। वो खुद हैरान हैं कि उनकी पत्नी ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया है।

अतिथि शिक्षकों ने मंत्री, विधायकों को दिए ज्ञापन

वरिष्ठता के आधार पर परमानेंट करने की मांग; बोले- भविष्य अंधकारमय बना हुआ है

भोपाल (नप्र)। भोपाल में रविवार को अतिथि शिक्षकों के एक दल ने अपनी मांगों को लेकर मंत्री और विद्यायकों को ज्ञापन सौंपे। इस दौरान आजाद अतिथि शिक्षक संघ से सुमित पाठक ने मंत्री विश्वास सारंग के अलावा कृष्णा गौर, रामेश्वर शर्मा और भगवान दास सबनानी को ज्ञापन दिए। इसमें उन्होंने कार्यानुभव और वरिष्ठता के आधार पर अतिथि शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित (पद स्थायित्व) कराने जैसी मांग की। अतिथि शिक्षकों के इस दल में अशोक भार्गव और लोकेश और उत्कृष्ट सिंगरौली शामिल रहे। सुमित पाठक ने बताया कि मध्यप्रदेश के शासकीय स्कूलों में अल्प मानदेय पर अतिथि शिक्षक 15-16 सालों से ईमानदारी के साथ सेवा देते आ रहे हैं। मगर आज तक भविष्य अंधकारमय बना हुआ है।

अतिथि शिक्षकों की ये हैं मांगें

कार्यानुभव और वरिष्ठता के आधार पर अतिथि शिक्षकों की वर्ग वार, विषयवार विभागीय परीक्षा आयोजित कर नियमित शिक्षक बनाने का प्रस्ताव पारित किया जाए। जब तक विभागीय परीक्षा नहीं होती। तब तक 12 महीने का सेवाकाल एवं 65 साल की उम्र तक पद स्थायित्व करने, उक्त पद को रिक्त न मानने का प्रस्ताव पारित किया जाए। 2 सितंबर 2020 को अतिथि शिक्षक महापंचायत में हुई समस्त घोषणाओं के आदेश तत्काल जारी करने का प्रस्ताव पारित किया जाए। साल 2011 से लेकर वर्तमान तक हुई समस्त शिक्षक पात्रता परीक्षाओं में से किसी भी एक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण अतिथि शिक्षकों को कार्यानुभव और वरिष्ठता का लाभ देते हुए सीधे नियमित शिक्षक बनाए जाने का प्रस्ताव पारित हो। जो अतिथि शिक्षक वर्तमान में सीधी भर्ती, स्थानांतरण, उच्चपद प्रभार, अतिशेष शिक्षक इत्यादि कारणों से बाहर हैं, उन्हें रिक्त पदों पर पहली प्राथमिकता के साथ संकुल/ब्लॉक/जिला/अन्य जिले में समायोजित किया जाए।

आपस में भिड़े युवक कांग्रेस के नेता-कार्यकर्ता

- नीमच में प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत की होड़ में धक्का-मुक्की; बीच सड़क पर हुई झड़प

नीमच (नप्र)। नीमच में युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। जमकर धक्का-मुक्की और बहस हुई। ये सब युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव के सामने हुआ। खुद उन्होंने कार्यकर्ताओं को अलग कर मामला शांत कराया। इसका वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, रविवार दोपहर को भारतीय युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव नीमच दौरे पर आए थे। जहां जगह-जगह उनका स्वागत किया गया। स्वागत की इसी होड़ में कार्यकर्ताओं में आपस में विवाद हो गया।

इसलिए हुआ कार्यकर्ताओं के बीच विवाद: युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव बाइक पर सवार होकर नीमच के फरूट मार्केट चौराहा पर पहुंचे थे। यहां युवक कांग्रेस के नेताओं ने उनका स्वागत किया। यहां से प्रदेश अध्यक्ष जिला कांग्रेस कार्यालय तक पैदल जाना चाहते थे। लेकिन एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष महेश यादव उन्हें अपनी बाइक पर बैठाकर ले जाना चाहते थे। जबकि युवक कांग्रेस के नेता वैभव अहीर उन्हें पैदल ले जाने लगे। इस बात पर दोनों नेताओं में विवाद हो गया। नौबत धक्का-मुक्की की आ गई। इस दौरान उनके समर्थक भी आपस में झूमाझटकी करने लगे।

प्रदेश अध्यक्ष यादव ने किया बीच-बचाव: कार्यकर्ताओं को आपस में भिड़ते देख खुद युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव और अन्य नेताओं ने उन्हें अलग किया और मामला शांत कराया।

संपादकीय

महाराष्ट्र : मविआ में बिखराव

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी महाविकास आघाड़ी की करारी हार के बाद झगड़े होना स्वाभाविक ही था, लेकिन अब आघाड़ी में खुले तौर पर टूट शुरू हो गई है। जिस तरह महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और विधायक अबू आजमी ने 6 दिसंबर को शिवसेना (उद्धव) के एक नेता द्वारा बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की प्रशंसा करते हुए जारी विज्ञापन को आधार बनाते हुए मविआ से दूरी बनाए जाने की बात कही है, वह तो एक बहाना भर है। क्योंकि बाबरी ढांचा ढहाने का सबसे पहले खुले तौर पर जिस व्यक्ति ने प्रशंसा की थी, वो शिव सेना के दिग्गज नेता बाला साहेब ठाकरे थे। शिवसेना उन्हीं को अपना प्रेरणा पुरूष मानती है। शिवसेना (उद्धव) के मिलिंद नार्वेकर ने जो विज्ञापन दिया था, उससे साफ संकेत मिलता है कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना अब 'सेक्युलर हिंदुत्व' का चोला उतार कर वापस कट्टर हिंदुत्व की तरफ लौटना चाहती है। इस मुद्दे पर सपा का उसके साथ रहना संभव नहीं है। हालांकि अबू आजमी ने यह भी कहा कि मविआ छोड़ने के बारे में अंतिम निर्णय पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव करेंगे। अबू आजमी का कहना है कि बदले हालात में समाजवादी पार्टी के लिए महाविकास अघाड़ी में रहना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) चाहे जो करें लेकिन समाजवादी पार्टी 'महाविकास' अघाड़ी में नहीं रहेगी। शपथ ग्रहण समारोह के बाद अबू आज़मी ने मीडिया से कहा कि महाविकास अघाड़ी में हम बिन बुलाए मेहमान थे। एक बार भी महाविकास अघाड़ी के को-ऑर्डिनेशन में हमें बुलाया नहीं गया। लेकिन हम चाहते थे कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में सब एक साथ थे। जो को-ऑर्डिनेशन था, वह जारी रहना चाहिए। लेकिन कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद पवार) में टिकटों के बंटवारे को लेकर झगड़ा होता रहा। 'महाविकास अघाड़ी' को इसी वजह से हार मिली। महाराष्ट्र में सपा का मविआ से अलग होने के फैसले के पीछे दूसरा बड़ा कारण विस चुनाव में सीट बंटवारे में कांग्रेस द्वारा उसे तवज्जो नहीं दिया जाना है। सपा ने 5 सीटें मांगी थीं। पहले तो सीट बंटवारे में समाजवादी पार्टी को लटकाए रखा गया। आखिर में बड़ी मुश्किल से 2 सीटे दी गईं। इससे नाराज सपा ने 7 और सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए। हालांकि वो सभी हार गए। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश में नौ सीटों के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को एक भी सीट नहीं दी। सपा को लगता है कि महाविकास आघाडी में रहने से उसे कोई लाभ नहीं हुआ है, ऐसे में 'एकला चलो' की भूमिका ही ज्यादा ठीक है। उधर महावि के एक महत्वपूर्ण घटक शिवसेना (उद्धव) के सामने अब अस्तित्व का संकट है। उसे अपने पुराने कट्टर हिंदुत्व की ओर लौटने के अलावा कोई चारा नहीं है। क्योंकि विस चुनाव के दौरान उद्धव ने अपने जिस सर्वसमावेशी हिंदुत्व की व्याख्या करने की कोशिश की थी, उसे मतदाताओंने ठुकरा दिया है और भाजपा के हिंदुत्व को सच्चा माना है। शिवसेना (उद्धव) के सामने अगली चुनौती बृह्नमुबंई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव हैं। शिवसेना का बीएमसी पर तीन दशकों से कब्जा है। वह इसे अभी भी बनाए रखना चाहती है। इसका कारण बीएमसी का भारी भरकम बजट है। हालांकि अब राजनीतिक हालात बदले हुए है। बीएमसी पर कब्जे की शिवसेना (शिंदे) और भाजपा भी दावेदार है। अगर बीएमसी चुनाव में भी उद्धव की पार्टी का हिंदू विरोधी होने का मैसेज गया तो शिवसेना की बची खुची ताकत भी खत्म हो जाएगी। शिवसेना (उद्धव) यही नहीं चाहती। वैसे भी समाजवादी पार्टी के साथ रहने से उसे फायदा तो हुआ नहीं, उल्टे नुकसान ही हुआ है।

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दावों और हकीकत के बीच भ्रमित समाज

हमारे देश में इस ख़तरनाक मर्ज़ का इलाज करने के लिये भी विभिन्न स्तरों पर तरह तरह के दावे पेश किये जाते हैं। कैंसर का इलाज निश्चित रूप से मंहगा इलाज है। इसलिये जब किसी ग़रीब परिवार का सदस्य कैंसर का शिकार हो जाता है और वह धनाभाव के चलते इसका मेडिकल उपचार नहीं करा सकता तो ऐसे ग़रीब लोगों का इलाज करने के नाम पर लोगों का नेटवर्क पूरे देश में सक्रिय है। कोई जड़ी बूटियों से कैंसर का इलाज करने का दावा करता है तो कोई गोमूत्र या इससे बनी दवाइयां बताकर अपना धंधा चला रहा है। कोई झाड़फूंक में कैंसर का निदान बताता है। हमारे देश में तमाम अनपढ़ अशिक्षित क़िस्म के लोग और वैद हकीमी का दावा करने वाले अनेकानेक नीम हकीम कैंसर से जूझने वाले मरीज़ों को गुमराह करने में लगे रहते हैं। इन्हीं मरीज़ों में कई ऐसे भी होते हैं जो धन संपन्न होने के कारण अपना मेडिकल इलाज भी कराते रहते हैं साथ ही अपने विश्वास के अनुरूप अन्य तरीक़े के इलाज भी करते रहते हैं। दरअसल आज भी देश का एक बड़ा वर्ग जोकि ज़्यादा पढ़ा-लिखा नहीं है, जिसके कारण मरीज़ अक्सर डॉक्टर से सलाह लेने के बजाय हर्बल नुस्ख़ों का सहारा लेते हैं। परन्तु ऐसे मामलों में दिक्क़त तब खड़ी हो जाती है जब एलोपैथी के ईलाज से स्वास्थ्य लाभ पाने वाला मरीज़ अपने आरोग्य लाभ का श्रेय एलोपैथी प्रणाली या मेडिकल साइंस को देने के बजाये अन्य देसी इलाजों या उपायों अथवा प्रकृतिक स्रोतों को देने लगता है। ख़ासकर समाज के लिये उस समय असमंजस्य की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जब इस तरहके दावे किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति,जनप्रतिनिधि अथवा यशस्वी व्यक्ति द्वारा किये जायें।

बावजूद इसके कि मेडिकल साइंस काफ़ी तरक्क़ी कर चुकी है और नित्य होने वाले अनुसंधानों ने लगभग सभी रोगों के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम भी दिये हैं। यहाँ तक कि कैंसर नामक सबसे घातक बीमारी के क्षेत्र में भी हुये अनेक नए शोध व अनुसंधानों ने कैंसर के मरीज़ों के इलाज में भी सकारात्मक परिणाम हासिल किये हैं। उसके बावजूद अभी भी कैंसर को दुनिया के सबसे ख़तरनाक व जानलेवा मर्ज़ों के रूप में गिना जाता है। निश्चित रूप से कीमियो/थेरेपी में निरंतर आ रहे सुधारों की कारण बचपन में होने वाले कैंसर के बाद ज़िंदा रहने वालों की दर में बढ़ोतरी हुई है। यह अमेरिका में अब औसतन 80 प्रतिशत या उससे ज़्यादा है। हालांकि, दूसरे कैंसर के मामलों में रोग का निदान न होने से हालात अब भी बेहतर नहीं हुए हैं। यही वजह है कि अभी भी वैज्ञानिक कैंसर की आनुवंशिक वजहों और कैंसर कोशिकाओं के ख़ास लक्षणों के बारे में ज़्यादा जानने की कोशिश में जुटे हैं। ख़ासतौर पर जब कोई मरीज़ चौथे स्तर के कैंसर से जूझ रहा होता है तो उसके स्वास्थ्य सुधार की संभावना बेहद कम हो जाती है।

परन्तु हमारे देश में इस ख़तरनाक मर्ज़ का इलाज करने के लिये भी विभिन्न स्तरों पर तरह तरह के दावे पेश किये जाते हैं। कैंसर का इलाज निश्चित रूप से मंहगा इलाज है। इसलिये जब किसी ग़रीब परिवार का सदस्य कैंसर का शिकार हो जाता है और वह धनाभाव के चलते इसका मेडिकल उपचार नहीं करा सकता तो ऐसे ग़रीब लोगों का इलाज करने के नाम पर लोगों का नेटवर्क पूरे देश में सक्रिय है। कोई जड़ी बूटियों से कैंसर का इलाज करने का दावा करता है तो कोई गोमूत्र या इससे बनी दवाइयां बताकर अपना धंधा चला रहा है। कोई झाड़फूंक में कैंसर का निदान बताता है। हमारे देश में तमाम अनपढ़ अशिक्षित क़िस्म के लोग और वैद हकीमी का दावा करने वाले अनेकानेक नीम हकीम कैंसर से जूझने वाले मरीज़ों को गुमराह करने में लगे रहते हैं। इन्हीं मरीज़ों में कई ऐसे भी होते हैं जो धन संपन्न होने के कारण अपना मेडिकल इलाज भी कराते रहते हैं साथ ही अपने विश्वास के अनुरूप अन्य तरीक़े के इलाज भी करते रहते हैं। दरअसल आज भी देश का एक बड़ा वर्ग जोकि ज़्यादा पढ़ा-लिखा नहीं है, जिसके कारण मरीज़ अक्सर डॉक्टर से सलाह लेने के बजाय हर्बल नुस्ख़ों का सहारा लेते हैं। परन्तु ऐसे मामलों में

दिक्क़त तब खड़ी हो जाती है जब एलोपैथी के ईलाज से स्वास्थ्य लाभ पाने वाला मरीज़ अपने आरोग्य लाभ का श्रेय एलोपैथी प्रणाली या मेडिकल साइंस को देने के बजाये अन्य देसी इलाजों या उपायों अथवा प्रकृतिक स्रोतों को देने लगता है। ख़ासकर समाज के लिये उस समय असमंजस्य की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जब इस तरहके दावे किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति,जनप्रतिनिधि अथवा यशस्वी व्यक्ति द्वारा किये जायें।

उदाहरण के तौर पर पिछले दिनों पूर्व क्रिकेटर व कांग्रेस के नेता नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा अपने अमृतसर स्थित आवास पर एक प्रेस कॉन्फ़्रेंस बुलाकर यह दावा किया गया कि -'उनकी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू जोकि ख़ुद भी एक डॉक्टर हैं,ने अपने आहार में कुछ चीज़ें शामिल करके स्टेज चार के लाईलाज कैंसर जैसे मर्ज़ पर क़ाबू पा लिया है। सिद्धू ने यह घोषणा की कि उनकी पत्नी अब कैंसर से मुक्त हो चुकी हैं। सिद्धू के अनुसार चूंकि उनकी पत्नी के आहार में नींबू पानी, कच्ची हल्दी, सेब का सिरका, नीम की पत्तियां, तुलसी, कद्दू, अनार, आंवला, चुक़न्दर और अखरोट जैसी चीज़ें शामिल थीं, जिससे वह स्वस्थ हो गईं। प्रेस कॉन्फ़्रेंस में किये गये सिद्धू के इन दावों के बाद से ही यह सवाल उठने लगा था कि क्या कच्ची हल्दी, नींबू पानी और नीम की पत्तियों जैसी साधारण आयुर्वेदिक चीज़ों से भी कैंसर जैसे मर्ज़ से मुक्ति पाई जा सकती है? सिद्धू की इस आत्मविश्वास पूर्ण प्रेस वार्ता के बाद सोशल मीडिया पर सिद्धू के दावों को लेकर बहस छिड़ी तो आख़िरकार टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई के 262 कैंसर विशेषज्ञों समेत अनेक पूर्व कैंसर विशेषज्ञों को सामने आना पड़ा। इन सभी कैंसर विशेषज्ञों ने सिद्धू के दावों से पूरी तरह असहमति जताई और कहा कि इन बयानों का समर्थन करने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इन कैंसर विशेषज्ञों ने लोगों से अपील भी की कि वे अप्रमाणित उपचारों का पालन न करें और अपने इलाज में देरी न करें। बल्कि, यदि किसी को अपने शरीर में कैंसर के कोई भी लक्षण महसूस होते हैं, तो उनको डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। और यह सलाह भी एक कैंसर विशेषज्ञ से लेनी चाहिए।'

इससे पहले मध्य प्रदेश की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर जोकि स्वयं कैंसर से पीड़ित थीं और कैंसर विशेषज्ञों के उपचाराधीन थीं। परन्तु जब उन्हें दवा इलाज से आंशिक स्वास्थ्य लाभ मिला तो उन्होंने इसका श्रेय मेडिकल उपचार को देने के बजाये 'गाय के शरीर पर हाथ फेरने' को दे दिया। प्रज्ञा ठाकुर ने बाक़ायदा टी वी कैमरे के सामने गाय पर हाथ फेर कर यह भी बताया कि स्वास्थ्य लाभ पाने के लिये गाय पर हाथ फेरने का सही तरीक़ा क्या है ? इस तरह के निराधार दावे यदि आम लोगों की तरफ़ से किये जाएँ तो भले ही लोग उस पर तवज्जोह न दें परन्तु जब यही बातें किसी सेलेब्रेटी द्वारा की जाने लगें तो आम लोगों में ऐसे दावों पर चर्चा होना स्वाभाविक है। समाज में ऐसे दावों को लेकर केवल चर्चा ही नहीं होती बल्कि ऐसे सेलेब्रेटीज़ के अनेक प्रशंसक भी उन अप्रमाणित दावों के पीछे चल पड़ते हैं। वे ऐसे दावों पर तुरंत विश्वास कर लेते हैं। और ख़ुद भी ऐसे ही अप्रमाणित इलाज करने की कोशिश करते हैं।यह क़दम बहुत ही हानिकारक हो सकता है। क्योंकि कैंसर का इलाज तभी संभव है जबकि इसका इलाज सही समय पर शुरू कर दिया जाये। परन्तु वे अप्रमाणित इलाज के चक्करों में पड़कर सही समय पर शुरू होने वाले उपयुक्त इलाज से महरूम रह जाते हैं और कैंसर जैसा जानलेवा मर्ज़ धीरे धीरे शरीर में अपनी जड़ें और भी गहरी कर लेता है। इसलिये किसी भी प्रतिष्ठित व यशस्वी व्यक्ति को ऐसे अप्रमाणित व निराधार दावों से बचना चाहिये क्योंकि समाज ऐसे दावों और हक़ीक़त के बीच भ्रमित रहता है।

राजनीति

ललित गर्ग

लेखक पत्रकार हैं।

दिल्ली चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा?

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है। निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है।

दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव लड़ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है।

भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रमक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है।

भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दुःख-दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है।

निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार के चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद आतिशी मार्लेना राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं। आप नेताओं ने चुनाव अभियान प्रारंभ कर दिया है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। आप ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की है। आप के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि आप इस चुनाव में भी आसानी से जीत की ओर बढ़ रही हैं। इन स्थितियों में आप क्यों कांग्रेस या अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करें? आप अभी भी निम्न-मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में काफी लोकप्रिय है।

आप का वोट शेयर पहले की तुलना में बढ़ा है और कांग्रेस कमजोर हुई है। हालांकि, 2013 में अपने पहले चुनाव के बाद से आप का वोट शेयर लगातार बढ़ता रहा। जबकि पिछले दशक में कांग्रेस को वोट देने वालों की संख्या में काफी कमी आई है। आप ने 2013 में अपने आश्चर्यजनक प्रदर्शन के साथ, कुल मतदान का 29 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था। पार्टी को 70 में से 28 सीटों पर जीत मिली थी। आप ने कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाई थी। इससे कांग्रेस का वोट शेयर घटकर 24.5 प्रतिशत और सिर्फ आठ सीटों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई थी। इसके बाद 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट शेयर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत तक गिर गया। वहीं, आप ने 54.6 प्रतिशत और 53.6 प्रतिशत वोट शेयर के साथ भारी जनादेश हासिल किया। लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एवं आप के बीच गठबंधन न होने का फायदा भाजपा को मिलता हुआ दिख रहा है। असल में आप के वोट कांग्रेस ही काटेगी।

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका दिल्ली में व्यापक जनाधार रहा है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में भटकती रही है, अपनी स्वतंत्र पहचान को खोती रही है। आखिर कमजोर सियासी बैशाखियों के सहारे वह कैसे जीत को सुनिश्चित कर सकती है? कांग्रेस की एक ओर बड़ी विडम्बना है कि वह जरूरी मुद्दों को उठाने की बजाय मोदी-विरोध का ही राग अलापती रही है। मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो इसके केन्द्रीय नेतृत्व एवं रणनीतिकारों पर तरस आती है। जबकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए उसके जमीनी नेता व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इन स्थितियों में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कोई करिश्मा या चमत्कार कर पायेगी, इसमें संदेह ही है।

बांग्लादेश हिंसा : राजनयिक प्रयासों की है जरूरत

सरोकार

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं

पिछले दिनों देशभर में बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ धरना, प्रदर्शन, बंद, रैली, सभा आदि का सफल आयोजन किया गया। जगह-जगह हो रहे इन प्रदर्शनों में सकल हिन्दू समाज की प्रमुख माँग यह रही कि भारत सरकार द्वारा बांलादेश सरकार पर दबाव डाला जाए, ताकि वहाँ अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और धार्मिक स्वतंत्रता को कायम रखा जा सके। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के माध्यम से बांग्लादेश सरकार को इन अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए और अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को इस गंभीर मुद्दे की ओर आकर्षित किया जाए। अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जाँच कराई जाए और दोषियों को कड़ी सजा दी जाए, ताकि इस प्रकार के अपराधों की पुनरावृत्ति न हो सके। बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद से ही वहाँ हिन्दूओं पर अत्याचारों की श्रृंखला शुरू हो गई थी, जो अब विकराल रूप ले चुकी है। देशभर में हो रहे प्रदर्शन यह बताने के लिए पर्याप्त है कि बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचार पर तुरंत रोक लगे। समय की माँग भी यही है।

केन्द्र सरकार द्वारा अभी तक बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाना आश्चर्यजनक और दुखद है। केन्द्र सरकार द्वारा 5 अगस्त के बाद से पिछले चार माह के दौरान बांग्लादेश को सख्त कार्रवाई करने के संकेत दे देने चाहिए थे। किन्तु अभी तक यह नहीं हो सका है। युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है, यह सब जानते है। युद्ध से किसी का भला नहीं होता। पिछले एक साल से अधिक समय से रूस और यूक्रेन में चल रहा युद्ध इसका ज्वलंत उदाहरण है। केन्द्र सरकार को चाहिए था कि वह सबसे पहले विदेश मंत्री को बांग्लादेश भेजते और वहाँ की सरकार से बांग्लादेश में हिन्दूओं के खिलाफ हो रहे हिंसा के बारे में भारत की चिंता से अवगत कराते। किन्तु यह नहीं हुआ। इसके साथ ही देश के गृहमंत्री को बांग्लादेश के गृहमंत्री से चर्चा कर वहाँ हो रही हिंसा पर तुरंत नियंत्रण के प्रयासों के बारे में भी चर्चा करनी थी, किन्तु यह भी नहीं हो सका। यह दुखद और आश्चर्यजनक है।

प्रधानमंत्री जी को अब इस संबंध में राजनैतिक और राजनयिक प्रयासों को तेज करने की जरूरत है। इसके लिए उन्हें बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से बात करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही भारत के मित्र देशों अमेरिका, रूस आदि देशों के प्रमुखों से भी चर्चा कर बांग्लादेश पर दबाव डालने की आवश्यकता है। आज इस सबकी बहुत जरूरत है। जब बांग्लादेश पर चारों ओर से राजनयिक दबाव पडेंगे तो उसे हिन्दूओं की सुरक्षा के लिए न केवल बाध्य होना पड़ेगा, बल्कि उसे हिन्दूओं पर लगातार हो रहे अत्याचारों और हमलों पर नियंत्रण के प्रयास करने ही हांगे। कोई देश अलग-थलग नहीं रहना चाहता। मजबूरी में ही सही उसे वो सब करना जरूरी होगा, जो वह अभी तक नहीं कर रहा है।

बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचार की घटनाएँ दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। यह पूरे देशवासियों के लिए चिंता की बात है। देश के कांग्रेस सहित प्रतिपक्ष के सभी राजनैतिक दलों की बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचार पर चुप्पी भी दुखद और आश्चर्यजनक है। प्रतिपक्ष को चाहिए था कि वे संसद में बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचार पर भारत सरकार द्वारा कार्रवाई करने की मांग करें। किन्तु यह भी नहीं हुआ।आज समय की माँग है कि भारत सरकार बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचार पर सभी राजनैतिक और राजनयिक प्रयासों को तेज करें। इसमें उन्हें प्रतिपक्ष का भी सहयोग लेना चाहिए। जब पूरा देश एक होकर बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों पर आवाज बुलन्द करेगा तो बांग्लादेश को वहाँ के हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचार पर ठोस कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना ही पड़ेगा।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रदीप मिश्र

लेखक व्यंग्यकार हैं

अलबेले टैक्स लगाएंगे, तीसरी अर्थव्यवस्था बनाएंगे

सुन रहे हैं कि बजट 3.0 में नए टैक्स लगाए जाएंगे। नए साल में नए गुल खिलाए जाएंगे। कुछ वास्तविक और कुछ खयाल में लगाए जाएंगे। दुनिया के दूसरे बड़े देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। तंज मत करिए, न समझिए...हर तरफ से हां-हां ही हो रही है, कहीं से भी नहीं और ना है। आर्थिक ताकत बढ़ाने के लिए सुझाव मांगे जा रहे हैं। राजनीति से अलग दबाव टांगे जा रहे हैं। कागजों पर आंकड़े ही चंगे हैं। वास्तव में कपड़े उतर गए हैं और नंगे हैं। और सबको पता है कि अर्थ है तो धर्म है। धर्म का मर्म ही अहम कर्म है। काम के बाद मोक्ष की कामना है। यही पूजा, भक्ति और साधना-आराधना है। तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था के लिए हम वचनबद्ध हैं। झूठ-दर-झूठ, नफरत भी नफरत से, मर्जीवाड़े-फर्जीवाड़े से भुगतान के लिए प्रतिबद्ध हैं। पहले की किसी भी शख्सियत से मुकाबला नहीं होने देंगे। दूसरे का शरीर पोत देंगे पर खुद का मुंह काला नहीं होने देंगे।

मौजीलाल को पता है-'जन्म कर्म चमे दिव्यमेवं यो। वेत्ति तत्त्वतः त्यक्त्वा देहं पुनर्जन्म नैति मामेति सोऽर्जुन।' अर्थात-संसार में जो भी मनुष्य मेरी दिव्य प्रकृति को जानता है वह इस शरीर को त्यागने के पश्चात पुनःजन्म नहीं लेता है, वह मेरे धाम को प्राप्त होता है। वह जानते हैं कि जीवन संभावनाओं का द्वार है। इसमें जैसा निवेश (कर्म) करोगे, वैसा ही फल मिलेगा। इसलिए विकास के लिए प्रयास में गतिरोध नहीं आएगा। विकसित भारत के काम में आर्थिक अवरोध नहीं आएगा। नैतिक-अनैतिक, राजनीतिक-अराजनीतिक सब विकास के लिए न्यौछावर कर दिया जाएगा। अपनी धृष्टताओ और दूसरों के धत्कर्मों पर टैक्स लगाकर पाप-पुण्य बराबर कर दिया जाएगा। इसलिए मोक्ष मिलने में उन्हें कोई संदेह नहीं हैं। इसके बाद जीवन सार्थक हो जाएगा, फिर सोचना भी पाप होगा कि देह है या नहीं है। नेता नकल करते हैं और अपनी नकल रोकने के लिए सावधान करते हैं। वह बलशाली-प्रभावशाली होते हैं, इसीलिए कानूनी प्रावधान करते हैं। शब्द-शब्द पढ़िए। धीरे-धीरे आगे बढ़िए। पहला प्रयास झूठ पर टैक्स लगाने का है। उच्चकोटि के झूठों की सर्वदलीय समिति की अध्यक्षता खुद करूंगा। सदर यानी सरगना हूं, इसलिए आमदनी के बदले 35 फीसदी जीएसटी भरूंगा। नफरत पर भी 30 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा। दायरा पहले से अधिक बढ़ाया जाएगा। सोशल मीडिया पर सतत सक्रिय शोधार्थी बुद्धि शुद्धि के लिए इतना त्याग अवश्य करेंगे। जिसे वे जनता में लगा नहीं पाए, उस आग में अवश्य जलेंगे। भरोसा है कि टैक्स दे कर वे राष्ट्र को प्रगति पथ पर दौड़ाएंगे। स्वतः स्फूर्त मेधा और प्रज्ञा का परचम फहराएंगे। तीसरी कैटेगरी में 25 परसेंट टैक्स का प्रावधान है। इस श्रेणी का नाम ही व्यवधान है। जो हैरान-परेशान हैं, उनकी मुश्किल बढ़ जाएगी लेकिन सोचिए देश की अर्थव्यवस्था कितनी बढ़ जाएगी। इसमें एजेंसियों का पूरा सहयोग लिया जाएगा। आरक्षण के रक्षण के बराबर योग किया जाएगा। जाहिर है यह संपूर्ण कर का शानदार आधा हिस्सा होगा। जानदार राशि के पीछे आधा झूठा किस्सा होगा। लक्ष्य पूर्ति के बाद सब कुछ बताया जाएगा। कानून में व्यवस्था कर समझाया जाएगा।

फेंकने-छेंकने के अलावा हर वक्त रेंकने-रेंगने और रोटी या आग सेंकने वालों को भी अपनी आय और हाय-हाय के एवज में रुपये का 20 पैसा अर्थात पांचवा हिस्सा राष्ट्र के लिए समर्पित करना होगा। आवोहवा की बेहतरी, प्रदूषण के खात्मे और पर्यावरण की रक्षा के लिए अर्पित करना होगा। पार्टी में प्रवेश पर कर के साथ ही बाहर जाने पर एग्जिट टैक्स की व्यवस्था 2026 से प्रारंभ की जाएगी। दरअसल, उस समय एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने पर बवाल होगा। मुख्यधारा से मुक्त और मार्गदर्शक मंडल में शामिल वरिष्ठों की संख्या पर सवाल होगा। स्वप्रेरणा कर लगाया जाएगा। खास दिन तय किया जाएगा। उस तारीख विशेष पर जोर होगा, जिसे कार्यकर्ता 21वीं में उसी तरह याद रखें, जैसे 20वीं शताब्दी में प्रथम सेवक को याद रखा। मक्कारी और धिक्कारी पर भी टैक्स लगाया जाएगा। योजना बनाई जा रही है। 2029 से पहले तीन वर्षीय परियोजना बनाई जा रही है। ज्यादातर जिम्मेदार नागरिक इसके लिए तैयार हैं। अपने-अपने अंशदान के लिए बेकरार हैं। जिन्होंने इससे पहले देश के लिए जुनून देखा हो तो ज्यादा से ज्यादा सच सामने लाएं। देश को गौरव के साथ बताएं।

आयोजन

कुमार सिद्धार्थ

माउंटेन्स ऑफ लाइफ: पर्वतों के संरक्षण और जागरूकता का उत्सव

'माउंटेन्स ऑफ लाइफ' महोत्सव में कला प्रतिष्ठानों, तस्वीरों, संगीत, फिल्मों, शिल्पकृतियों और इंटरैक्टिव कार्यशालाओं के माध्यम से पहाड़ों की विविध कहानियों को प्रदर्शित किया गया है। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर गौतम पांडे का कहना है कि हमारे सालाना महोत्सव पहाड़ों ककी कहानियों को जीवंत बनाता है। यह आयोजन पहाड़ों के साथ मानव समाज के गहरे रिश्ते और उनके संरक्षण की तात्कालिक जरूरतों को रेखांकित करता है।

जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पर्यावरण के साथ लोगों के गहरे संबंध को समझाने के लिए अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल ने अपने वार्षिक जलवायु महोत्सव के तीसरे वर्ष 'माउंटेन्स ऑफ लाइफ' का सात दिवसीय महोत्सव आयोजित किया। इस महोत्सव में भोपाल एवं आसपास के जिलों के हजारों छात्र, शिक्षक, कलाकार,सामाजिक कार्यकर्ता, पर्यावरण से सरोकार रखने वाले व्यक्ति और विभिन्न समुदायों के लोग शामिल हो रहे हैं। इस महोत्सव में विशेष रूप से युवाओं के अलावा दिन करीब 750-800 स्कूली बच्चे इसका अनुभव कर रहे है, जिसमें शासकीय व प्रायवेट हायर सेकेण्डरी के बच्चे शामिल हो रहे है।'माउंटेन्स ऑफ़ लाइफ़'- को देखने के लिए विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों से अब तक 300 से अधिक विद्यार्थी आ चुके हैं। यह महोत्सव 9 दिसंबर तक खुला रहेगा, और इसमें भाग लेने का प्रवेश नि:शुल्क है।

'माउंटेन्स ऑफ लाइफ' महोत्सव में कला प्रतिष्ठानों, तस्वीरों, संगीत, फिल्मों, शिल्पकृतियों और इंटरैक्टिव कार्यशालाओं के माध्यम से पहाड़ों की विविध कहानियों को प्रदर्शित किया गया है। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर गौतम पांडे का कहना है कि हमारे सालाना महोत्सव पहाड़ों ककी कहानियों को जीवंत बनाता है। यह आयोजन पहाड़ों के साथ मानव समाज के गहरे रिश्ते और उनके संरक्षण की तात्कालिक जरूरतों को रेखांकित करता है।

सावनदुर्ग और चामुंडी हिल में इंसानों और प्रकृति के सह अस्तित्व की कहानियों से लेकर अरुणाचल प्रदेश के निशी समुदाय की परंपरा और आधुनिकता के बीच सामंजस्य स्थापित करने की कोशिशों तक की झलकियाँ प्रस्तुत की गईं। प्रदर्शनी में भीमबेटका की प्राचीन गुफा चित्रकला, लद्दाख के पत्थरों पर बनी चित्रकारी और मिजोरम के मोनोकल्चर प्लांटेशन की कहानियों को भी शामिल किया गया। जिसे विभिन्न जिलों से आए स्कूली और कॉलेज के विद्यार्थियों को पहाड़ों के बारे में जानने-समझने को मिला है।

यह महोत्सव विशेष रूप से युवाओं के लिए तैयार किया गया है। इसमें देशभर से आए विद्यार्थी, युवा इंटर्न्स द्वारा संग्रहित पर्वतीय कहानियों और अनुभवों के माध्यम से भारत की समृद्ध पारिस्थितिकी से परिचित हो रहे हैं। प्रदर्शनी में थ्री-डायमेंशनल मॉडल, फिल्म स्क्रीनिंग, और कला कार्यशालाओं ने छात्रों को व्यावहारिक और मजेदार तरीकों से पर्यावरण को समझने का अवसर प्रदान किया।

भोपाल के स्कूली बच्चों का एक समूह आश्चर्यचकित होकर दुर्लभ तिब्बती हिरण, गंभीर रूप से संकटग्रस्त कश्मीरी बारहसिंगा, और संकटग्रस्त हिमालयी याक की दुनिया का अवलोकन कर रहा था। इसके साथ ही, छात्रों ने हम्पी के ऐतिहासिक धरोहरों के मॉडलों और अरावली पर्वत श्रृंखला के चित्रात्मक पुनर्निर्माण से इतिहास और प्रकृति के अद्भुत तालमेल को समझा। एक समूह के युवा छात्र परिसर में लटकाए गए विशाल ग्लोब को देख रहे थे और चर्चा कर रहे थे कि हिमालय के पास दिखने वाला भूमि क्षेत्र अफगानिस्तान का है या नहीं, और क्या अफगानिस्तान एक देश है या महाद्वीप?

हिमालयी खानाबदोशों के लोकगीतों से लेकर लद्दाख और स्पीति में वन्यजीवन की कहानियों तक, यह महोत्सव पर्यावरणीय संरक्षण के संदेश को एक नए दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करता है। यहां ट्रेकिंग मानचित्रों, कविताओं, चित्रों और सैंडबॉक्स प्रदर्शनी, जिसमें रेत ऊंचाई के साथ रंग बदलती है, के माध्यम से छात्रों को पर्वतीय पारिस्थितिकी और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझाया गया।

महोत्सव में लगी प्रदर्शनी के एक भाग में वनस्पति और जीव-जंतुओं को उनके अद्भुत रूप में दिखाया गया, तो वहीं दूसरी ओर, यह यात्रा अरावली के पुनर्निर्माण और वायनाड तथा जोशीमठ में आपदाओं, चिकमगलूर के मलय्यनगिरी में जल संकट और हिमाचल प्रदेश के जलविद्युत बांधों के पर्यावरणीय प्रभावों पर प्रकाश डालती है।

नई पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य

इस महोत्सव का उद्देश्य केवल पहाड़ों की सुंदरता का उत्सव मनाना नहीं है, बल्कि लोगों को पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करना भी है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और संवाद के नए रास्ते खोलने में सहायक है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल के जलवायु प्रकोष्ठ के प्रोफेसर शंतनु ने बताया कि महोत्सव के दौरान इंटरैक्टिव कार्यशालाएं, पैनल डिस्कशन, फिल्म स्क्रीनिंग, लोकगीत प्रस्तुतियां, और फोटो आधारित कहानियों की प्रदर्शनी ने इस आयोजन को समृद्ध बनाया है। हजारों छात्रों और शिक्षकों के साथ एक स्तर का संवाद स्थापित करने का प्रयास किया है।

बेहतर भविष्य के लिए प्रेरणा

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय का बेहतरीन प्रयास वास्तव में आम जनों को वैश्विक मुद्दों के प्रति सजग बनाने का अभिक्रम है। इस प्रकार के अनुभव छात्रों को देश की समृद्ध पर्यावरणीय विविधता से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता हैं, जो आज के पाठ्यक्रम और कक्षा की सामग्री में प्रचलित रटने की प्रथा से परे हैं। ऐसे प्रयास वर्तमान समय के लिए बेहद आवश्यक हैं, क्योंकि ये पर्यावरण से जुड़ने के नए तरीकों को प्रोत्साहित करते हैं और लोगों को इसके संरक्षण के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

विश्वविद्यालयों का दायित्व होना चाहिए कि वे शैक्षिक पाठ्यक्रमों के इतर समाज को जागरूक और सचेत कर न केवल पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाले, बल्कि जब तक हम, जनता, अपने प्रतिनिधियों और समाज से समाधान की मांग करने हेतु प्रेरित नहीं करेंगे, तब तक बदलाव संभव नहीं होगा। उम्मीद है कि यह महोत्सव संवाद और पहल के लिए प्रेरणा बनेगा, जिससे बेहतर भविष्य की कल्पना को साकार किया जा सके।

जनवरी 2024 में अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल ने 'फ़ॉरेस्ट ऑफ़ लाइफ' का उत्सव मनाया था, जिसने भारत के विविध जंगलों की कहानियों को जीवंत किया था। इस प्रदर्शनी ने जंगल पर निर्भर टिकाऊ आजीविका की कहानियों तथा इन्सान और जानवरों के टकराव की चुनौतियों से परिचित कराया था।इसमें प्रकृति के साथ देशज समुदायों के जुड़ाव की पड़ताल की गई और बेहतर रोज़गार के लिए सकारात्मक योगदान कर सकने वाली स्थितियों पर चर्चा की गई थी।

भ्रष्टाचार विरोधी दिवस

बाल मुकुन्द ओझा

लेखक पत्रकार हैं।

भ्रष्टाचार की गिरफ्त में पूरी दुनिया

भ्रष्टाचार के खिलाफ दुनिया को एकजुट करने के लिए 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाए जाने की घोषणा की थी। अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस 2024 की थीम है भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं के साथ एकजुट होना कल की ईमानदारी को आकार देना। संयुक्त राष्ट्र का कहना है, भ्रष्टाचार का मुक़ाबला करने की ख़ातिर वैश्विक प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए दुनिया भर के देशों को मिलकर काम करने की ज़रूरत है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में रिश्वत की वार्षिक मात्रा एक ट्रिलियन डॉलर आँकी गई है। भ्रष्टाचार के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2.6 ट्रिलियन डॉलर का नुक़सान होता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के पाँच प्रतिशत से अधिक है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा लोगों में जन जागरण और चेतना जगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक दिवसों का आयोजन किया जाता है। यह जगजाहिर और अकाट्य सत्य है कि दुनियाभर में भ्रष्टाचार की वजह से न केवल आर्थिक विकास पर असर पड़ता है बल्कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास को भी ठेस पहुँचती है। विश्व का कोई भी देश भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार ने पूरी दुनिया को अपनी गिरफ्त में ले रखा है। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास में बाधक है, लोकतंत्र के प्रति विश्वास को नुकसान पहुँचाता है और रिश्वत की संस्कृति को बढ़ावा देता है। भ्रष्टाचार से सामाजिक असामानता फैलती है। हर साल ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जैसी वैश्विक संस्था अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग भी जारी करता है जिसमें भ्रष्टतम देश शामिल किये जाते है। मगर लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका। यह हमारे सिस्टम का फेलियोर है या सत्ताधीशों का, इस पर गहन चिंतन और मनन की जरुरत है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक भ्रष्टाचार एक गंभीर अपराध है जो सभी समाजों में सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है। वर्तमान में भ्रष्टाचार से कोई देश, क्षेत्र या समुदाय बचा नहीं है। यह आग की तरह दुनिया के सभी हिस्सों में फैल गया है। इससे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है।भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट आचरण यानि जिसका आचार बिगड़ गया हो। स्वार्थ में लिप्त होकर किया गया गलत कार्य भ्रष्टाचार होता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं- रिश्वत, कमीशन लेना, काला बाजारी, मुनाफाखोरी, मिलावट, कर्तव्य से भागना, चोर-अपराधियों आतंकियों को सहयोग करना आदि आदि। इसका सीधा मतलब है जब कोई व्यक्ति समाज द्वारा स्थापित नैतिकता के आचरण का उल्लंघन करता है तो वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। यहां भ्रष्टाचार से हमारा तात्पर्य अनैतिक और गलत तरीके से अर्जित आय से है।

भारत में भ्रष्टाचार ने लगता है संस्थागत रूप धारण कर लिया है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलेआम यह कहा है की वे न तो खाएंगे और न खाने देंगे। मोदी अपनी बात पर कायम रहे मगर भ्रष्टाचार पर काबू नहीं पाया जा सका है। दुनिया के भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली संस्था ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के द इंडिया करप्शन सर्वे 2023 के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 93 वें स्थान पर रहा। इससे पहले साल 2022 में भारत की रैंकिंग 85 थी, जो इस साल बढ़कर 93 हो गई है। दुनिया में सबसे भ्रष्ट देश सोमालिया है जबकि सबसे कम भ्रष्ट डेनमार्क है, जो लगातार छठे साल भी ग्लोबल करप्शन इंडेक्स में टॉप परहै।

140 करोड़ की आबादी का आधा भारत आज रिश्वतखोरी के मकड़जाल में फंसा हुआ है। स्थिति यह हो गई है की बिना रिश्वत दिए आप एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। हमारे देश में भ्रष्टाचार इस हद तक फैल चुका है कि इसने समाज की बुनियाद को हिला कर रख दिया है। जब तक मुट्ठी गर्म न की जाए तब तक कोई काम ही नहीं होता। NCRB और लोकल सर्कल इंडिया करप्शन सर्वे रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि लोगों को सबसे ज्यादा घूस जमीन से जुड़े मामलों में देनी पड़ रही है। इसके बाद दूसरे सबसे भ्रष्ट महकमों में पुलिस शामिल है। भ्रष्टाचार एक संचारी बीमारी की भांति इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को अपना भविष्य अंधकार से भरा नजर आने लगा है और कहीं कोई भ्रष्टाचार मुक्त समाज की उम्मीद नजर नहीं आरही है। मंत्री से लेकर संतरी और नेताओं तक पर भ्रस्टाचार के दलदल में फंसे है। भ्रष्टाचार हमारे सामाजिक, आर्थिक और नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर कानून और दंड-व्यवस्था की जानी चाहिए। जब तक समाज एकजुट होकर भ्रष्टाचार पर हमला नहीं करेगा तब तक इस बीमारी को जड़मूल से समाप्त नहीं किया जा सकता।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

खाली हाथ आए हैं हम, खाली हाथ जाएंगे

वैसे भी संचय वृत्ति को आत्मसात करने वालों की अपेक्षा त्यागी वृत्तियों ने ही इतिहास बनाया है। आज जब राष्ट्रीय अथवा वैश्विक स्तर पर महापुरुषों का उल्लेख आता है, ऐसा कोई नाम दूर तक दिखाई नहीं देता जो अपनी संचय वृति के चलते औरों के लिए अनुकरणीय आदर्श उपस्थित कर चुका हो। केवल और केवल अपने और अपनों के लिए जीना, बहुत साधारण एवं बहुत छोटी सी बात है। इसके चलते कोई कीर्तिमान नहीं बना करते। लेकिन औरों के लिए जीना, सच्चे अर्थों में सार्थक जीवन की पहचान है। जब कहीं से कोई ऐसा समाचार आता है कि लाखों-करोड़ों की दौलत का परित्याग कर कोई शख्सियत धर्म अध्यात्म के पथ पर अग्रसर हो गई, तो लगता है उन्होंने आत्म कल्याण कर लिया।

कहीं यह गीत सुना था। सुर और संगीत के साथ था, इसलिए इसे यूं ही गुनगुनाया करता था। लेकिन समय के साथ-साथ जैसे-जैसे जीवन जीने की सांस-दर-सांस अवधि कम होने लगी, इसका निहितार्थ समझ में आने लगा। आमतौर पर ऐसी समझ बालपन में तो आ नहीं सकती और युवावस्था में तो कतई नहीं। दरअसल ऐसी समझ जीवन के उत्तरार्ध मे ही आ सकती है। खैर, जिन्होंने इस वास्तविकता को अनुभूत कर लिया, समझ लीजिए जमाने भर की तमाम चिंताओं से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर लिया। वैसे भी हमारे जीने की आयु ही कितनी बची है। हर कोई यह अंदाजा लगा सकते है कि अधिक से अधिक और कितने वर्षों तक वह जमाने में जी सकते है ?

इस संदर्भ में यह आश्चर्यजनक तथ्य है कि इस बारे में हम कोई विचार नहीं करते। दरअसल यह एक भ्रम ही है कि हम जी रहे हैं तो जीते ही चले जाएंगे। हमारी जिंदगी में न तो पूर्ण विराम होगा और न ही अल्प विराम। ताउम्र और ... और .... और अधिक पाने की अभिलाषा का कहीं अंत दिखाई नहीं देता। चाहत चाहे धन-संपत्ति की हो या मान-सम्मान की, इसका कोई ओर-छोर नजर नहीं आता। हालांकि आप और हम सांसारिक प्राणी होने के नाते हर प्रकार का संचय और अर्जन करने की भावना से पूर्ण रूप से विमुक्त नहीं हो सकते। एक प्रकार से हम संसार में आए हैं तो स्वाभाविक रूप से अपने आचरण और व्यवहार में सांसारिक राग-द्वेष की भावना से भर ही जाते हैं।

लेकिन इसकी भी कोई सीमा होनी चाहिए। जिसके चलते बिना आकुल-व्याकुल भाव लिए हम तमाम तरह की भौतिकता से परे अपने सच्चे स्वरूप के दर्शन के निमित्त आत्म चिंतन भी कर सकें। अगर ऐसा कुछ हद तक भी संभव हो सके, तो इसमें कोई दो मत नहीं कि अंतर्मन में असीम आनंद की दिव्य अनुभूति हो सकती है। बचपन में सुना करते थे कि किसी के अंतिम संस्कार में जाने पर हमें संसार की असारता का बोध होता है। एक प्रकार से वैराग्य भावना मन में उपजा करती है। लेकिन आजकल के दौर में तब की अपेक्षा ऐसे भाव जागृत भी होते है तो भी मात्र कुछ ही पल के लिए। श्मशान से लौटते-लोटते हम पुनः अपनी पूर्ववत स्थिति में आ जाते हैं।

किंतु ऐसा भी नहीं है कि हम पुरुषार्थ की भावना का ही परित्याग कर देवे, धनोपार्जन की भावना को विराम दे देवे या फिर किसी भी क्षेत्र में और अधिक ऊंचाई प्राप्त करने का प्रयास ही छोड़ देवे। दरअसल इन सब की अपनी एक सीमा सुनिश्चित कर लेना चाहिए। इस सीमा से अधिक जो कुछ भी संचय हो जाए, उसका प्रवाह परमार्थ की दिशा में मोड़ देना चाहिए। ऐसी स्थिति में हम थोड़ा बहुत खोकर बहुत कुछ .... बहुत कुछ क्या, सब कुछ पा सकते हैं। वह सब कुछ जो संसार भर की दौलत न्योछावर करने पर भी नहीं कमाया जा सकता। दूसरे शब्दों में इसे मानसिक तृप्ति का नाम दिया जा सकता है। सचमुच यह एक बहुत बड़े लाभ का सौदा करार दिया जा सकता है।

वैसे भी संचय वृत्ति को आत्मसात करने वालों की अपेक्षा त्यागी वृत्तियों ने ही इतिहास बनाया है। आज जब राष्ट्रीय अथवा वैश्विक स्तर पर महापुरुषों का उल्लेख आता है, ऐसा कोई नाम दूर तक दिखाई नहीं देता जो अपनी संचय वृति के चलते औरों के लिए अनुकरणीय आदर्श उपस्थित कर चुका हो। केवल और केवल अपने और अपनों के लिए जीना, बहुत साधारण एवं बहुत छोटी सी बात है। इसके चलते कोई कीर्तिमान नहीं बना करते। लेकिन औरों के लिए जीना, सच्चे अर्थों में सार्थक जीवन की पहचान है। जब कहीं से कोई ऐसा समाचार आता है कि लाखों-करोड़ों की दौलत का परित्याग कर कोई शख्सियत धर्म अध्यात्म के पथ पर अग्रसर हो गई, तो लगता है उन्होंने आत्म कल्याण कर लिया।

लेकिन आजकल के दौर में धर्म अध्यात्म से इतर एक ऐसे धर्म के परिपालन की भी अपेक्षा की जाती है जिसे मानवीय धर्म के रूप में निरूपित किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में यदि कोई शख्सियत अपनी धन संपत्ति के एक बड़े भाग को जनकल्याण की दिशा में प्रवाहित कर देती है,ऐसा लगने लगता है कि इन्होंने जनकल्याण के साथ-साथ आत्म कल्याण भी कर लिया। वैसे भी हम खाली हाथ आए हैं और खाली हाथ जाएंगे, तो क्यों न अंतरंग की प्रसन्नता के लिए अपनी मुट्ठी को बांधकर रखने की अपेक्षा थोड़ी मुट्ठी दूसरों के लिए भी खोल कर चले।

श्रीमद जिन तारण तरण मंडलाचार्य महाराज की 576वीं जयंती मनाई

सुबह सवेरे सोहागपुर । बिहारी चौक स्थित जैन चैत्यालय में श्रीमद जिन तारणतरण मंडलाचार्य महाराज की 576वी जयन्ती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ।इस अवसर पर मंदिर विधि पालकी जी शोभायात्रा पात्र भावना का आयोजन सोनेशकुमार एवं सर्वेश जैन परिवार ने कराया था। पालकी शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से निकाली गई । शोभायात्रा का समापन जैन चैत्यालय पहुंचकर संगीतमय जिनवाणी की आरती के साथ किया गया।इस अवसर पर समस्त कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य पंडित नीलेश जैन के मार्गदर्शन में किया गया । कार्यक्रम में जैन समाज अध्यक्ष अभिषेक जैन, पंकज जैन,अनिल जैन,अखिल जैन,कमलेश जैन, प्रवीण जैन ,योगेंद्र जैन, मोनीष जैन, सरस जैन , सुरेंद्र जैन,राजेश जैन ,अजय जैन, विवेक जैन,शुभम जैन, संजय जैन सहित समाजिक बन्धु उपस्थित थे ।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता पाठ्यक्रम के साथ गीता जयंती उत्सव मना

सुबह सवेरे सोहागपुर । मप्र जन अभियान परिषद सोहागपुर में मुख्य मंत्री सामूदायिक नेतृत्व क्षमता पाठ्यक्रम की कक्षा संचालन के साथ साप्ताहिक गीता जयंती उत्सव मनाया गया ।इस कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार की कक्षा में शैलेन्द्र मिश्रा महाराज की मुख्य वाणी से किया गया।इस अवसर पर शैलेन्द्र मिश्रा ने श्रीमद्भगवद्गीता के महत्व एवं भगवान कृष्ण जी ने महाभारत के दौरान पांडु पुत्र अर्जुन को कथा क्यों सुनाई क्यों गई पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। तथा श्रीमद्भगवद्गीता का सार संक्षिप्त शब्दों में बताया। विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले ने साप्ताहिक कार्यक्रम की रूप रेखा को भी बताया। इस अवसर पर मेंटर गजेंद्र ठाकुर, श्याम मीना ने ग्राम स्तरीय कार्यक्रम की जानकारी दी । इसी क्रम में निर्मल विकास सेवा समिति ने प्रसादी का वितरण किया। इस कार्यक्रम में सचिन विश्वकर्मा, मंजु पंवार ,मेंटर एवं समाजसेवी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने मनाया 'गीता जयंती महोत्सव'

बैतूल । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा प्रति रविवार संचालित होने वाले सामाजिक कार्य में स्नातक, स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं द्वारा जिले के सभी विकास खंडो की कक्षा में गीता जयंती महोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। जन अभियान परिषद की बैतूल जिला समन्वयक प्रिया चौधरी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा 8 से 11 दिसम्बर तक पूरे प्रदेश में गीता जयंती महोत्सव मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आमजन को गीता की शिक्षाओं को समझने एवं गीता के ज्ञान का उपयोग करके लोगों को जीवन की चुनौतियों और संकटों से उबारना है। इसी तारतम्य में सीएमसीएलडीपी कक्षा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मप्र जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी एवं वरिष्ठ पत्रकार सुनील द्विवेदी द्वारा गीता जयंती पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने श्रीमद्भागवत गीता के 11-11 श्लोकों का वाचन किया।

अब जिला भाजपा में होंगे 30 मंडल

बैतूल। जिला भाजपा संगठन में अब 29 की जगह 30 संगठनात्मक मंडल होगें। संगठन पर्व के तहत केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार मंडलो का पुर्न गठन एवं नवीन मंडल सावलमेंढा का गठन किया गया है। जिसे मिलाकर अब जिले में 30 संगठनात्मक मंडल होगें इसके साथ ही मंडलो का पुर्नगठन एवं नाम परिवर्तन भी किया गया है। पुर्नगठित मंडल में बगडोना, मासोद, प्रभातपटटन, झल्लार और हिडली पुर्न गठित किए गए है। वही कुछ मंडलो के नाम परिवर्तन किए गए जिसके तहत पहले आमला ग्रामीण मंडल अब बोरदेही मंडल, पहले बैतूल ग्रामीण मंडल अब खेडीसावलीगढ मंडल, पहले भैसदेही ग्रामीण मंडल अब झल्लार मंडल, पहले आठनेर ग्रामीण मंडल अब हिडली मंडल, पहले चिचोली ग्रामीण मंडल अब चिरापाटला मंडल , पहले मुलताई ग्रामीण अब सांईखेडा मंडल, पहले सारनी ग्रामीण मंडल अब बगडोना मंडल के नाम परिवर्तित किए गए है।

कोहरे के कारण कम हुई विजिबिलिटी, हाईवे तितली चौराहे पर हादसा

घने कोहरे के कारण कंटेनर और ट्रक की भिड़ंत, ड्राइवर गंभीर

बैतूल। सर्दी के साथ ही सुबह कोहरा छाने लगा है। कोहरे से सडक़ और वाहन स्पष्ट दिखाई नहीं देते है। इससे हादसे बढ़ रहे है। रविवार सुबह भी कोहरे के कारण कंटेनर और ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक कर्मचारी घायल हो गया। दरअसल रविवार सुबह कम विजिबिलिटी के चलते वाहनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस बीच नेशनल हाईवे तितली चौराहे के पास कंटेनर की ट्रक से टक्कर हो गई। फोरलेन से नागपुर की ओर जा रहे कंटेनर में पीछे चल रहा ट्रक कम विजिबिलिटी के चलते भिड गया, जिससे ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, इंदौर से रायपुर जा रहा ट्रक क्रमांक एमपी 09 एच 5010 में किशोर अरोड़ा सवार था। सुबह 6 बजे के करीब घना कोहरा था। वह ट्रक लेकर रायपुर जा रहा था। इसी दौरान उसके आगे चल रहे कंटेनर एनएल 01 एए 1522 के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। कोहरे की वजह से कंटेनर दिखाई नहीं दिया और वह खड़े कंटेनर में जा घुसा। हादसे में ट्रक चालक का भाई हरी अरोड़ा (26) घायल हो गया है, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कोहरे की धुंध राहगीरों के लिए भी खतरनाक – कोहरे की धुंध, सडक़ पर चलने वाले वाहनों के लिए ही नहीं, बल्कि राहगीरों के लिए भी खतरनाक साबित होती है। अक्सर लोग सुबह घुमने के लिए सडक़ पर निकल जाते है। ऐसे में घना कोहरा घने के कारण वाहन चालकों को सडक़ और सामने का दृश्य नजर नहीं आता है और हादसे होते है। ऐसे में वाहन चलाते समय बेहद सावधानी रखने की जरूरत है। कोहरे में गाड़ी चलाते वक्त कुछ बातों का खयाल रखें तो जिंदगी सुरक्षित रह सकती है। जानकार बताते है कि कोहरे के वक्त गाड़ी को हमेशा नियंत्रित गति

से चलाएं ताकि मौका पडने पर उसे आसानी से रोका जा सके। अगर रोज एक ही रास्ते से निकलते हैं तो उन रास्तों में जहां पर सबसे कम विजिबिलिटी रहती है, उसकी पहचान कर लें। नदी और तालाब के आसपास गाड़ी की गति की बिलकुल धीमे कर लें और अपनी ही लेन में चलें।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल की इलाज के दौरान मौत

बैतूल। अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुए युवक को नागपुर से उपचार के बाद लाया जा रहा था, लेकिन रास्त में उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रभारी के मुताबिक मोहदा थाना इलाके के कुनखेड़ी निवासी संजय आर्य (45) को पिछले 4 दिसंबर को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। परिजनों ने उसे पहले भीमपुर में भर्ती कराया था, जहां से चिचोली सीएचसी और फिर बैतूल जिला अस्पताल लाया गया। जहां हालत नाजुक बनी रहने के चलते परिजन उन्हें नागपुर ले गए थे। बताया जा रहा है कि नागपुर के निजी अस्पताल में उनके कुछ ऑपरेशन किए गए थे, जिसके बाद डॉक्टर्स ने उन्हें डिस्चार्ज कर दिया था। परिजन उन्हें बैतूल लेकर आ रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। जिसके बाद उन्हें शनिवार सुबह जिला अस्पताल लाया गया। जहां मृतक का पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

संभागीय विद्या भारती की परिचय बैठक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसार सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करें क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री

सुबह सवेरे सोहागपुर । विद्याभारती नर्मदापुरम विभाग में परिचय बैठक विद्याभारती क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा, प्रांतीय सह संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल, विभाग समन्वयक रामकुमार व्यास, भाऊ साहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर प्रबंधक धर्मेंद्र गुर्जर एवं नेताजी सुभाष चंद्र शिक्षा समिति के अध्यक्ष कन्नू लाल अग्रवाल के आतिथ्य में सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में संपन्न हुई। इस अवसर पर क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा ने नर्मदापुरम विभाग के सरस्वती शिशु मंदिर के सभी प्राचार्य एवं व्यवस्थापक आदि से परिचय प्राप्त किया। इसी क्रम में क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुरूप शिक्षा देने हेतु एवं आवश्यक संसाधनों की पूर्ति करने के लिए व्यवस्थापकों को सुझाव एवं आवश्यक दिशा-निर्देश समस्त प्राचार्यों को दिए। आपने आगे कहा हमें सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण कराने के लिए हर सम्भव प्रयास कराने चाहिए। परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहें एवं शिशु कक्षाओं में 12 शैक्षणिक व्यवस्थाओं को पूर्ण करने के लिए भी प्रेरित किया। इस अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस शिक्षा समिति अध्यक्ष कन्नूलाल अग्रवाल ने 1, लाख 11हजार रुपये छात्र-छात्राओं को आधुनिक शिक्षा हेतु स्मार्ट बोर्ड के लिए अपने जन्मदिन के अवसर पर अमृत महोत्सव कार्यक्रम के माध्यम से दान किए। आपने भविष्य में भी हर सम्भव मदद करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर विद्याभारती के नर्मदापुरम विभाग के ग्रामीण क्षेत्र, जनजाति क्षेत्र की शिक्षा के पूर्ण कालिक कार्यकर्ता एवं प्राचार्य एवं व्यवस्थापक उपस्थिति थे। कार्यक्रम में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष अभिषेक जैन, सचिव राजा भैया पटैल, व्यवस्थापक कृष्णा पालीवाल ने अतिथियों का शाल श्रीफल से सम्मान किया।

डीआरएम ने किया रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण, विधायकों के साथ की बैठक

बैतूल। दो दिवसीय जिले के प्रवास पर आये डीआरएम ने रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। रेलवे स्टेशन पर चल रहे अमृत भारत योजना के तहत विकास कार्यो को अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। डीआरएम मनीष अग्रवाल आमला पहुंचे, जहां अमृत भारत योजना के अंतर्गत हो रहे विकास कार्यो का निरीक्षण किया। आमला से बैतूल पहुंचकर उन्होंने कलेक्ट्रेट में विधायक हेमंत खंडेलवाल, चंद्रशेखर देशमुख, डॉ. योगेश पंडाग्रे के साथ जिले के प्रमुख अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान विधायकों ने यात्री सुविधाओं के साथ ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग की। डीआरएम ने केवल भरोसा दिलाया है कि विधायकों की मांगों से उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। विधायकों द्वारा उठाई गई मांगों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए डीआरएम अग्रवाल ने कहा कि उनके स्तर की मांगों को वे पूरा करेंगे, लेकिन ट्रेनों के स्टापेज के संबंध में मुंबई मुख्यालय को अवगत कराया जाएगा।

आवागमन के सुचारू संचालन के लिए बरेठा घाट की होगी रिपेयरिंग

- बैतूल-इटारसी,बैतूल-इन्दौर फोरलेन की समस्याओं का होगा निराकरण
- केन्द्रीय मंत्री-विधायकों के साथ एनएचएआई अफसरों की हुई बैठक

बैतूल। जिले में निर्माणाधीन फोरलेन सड़कों की विभिन्न समस्याओं को लेकर रविवार को केन्द्रीय राज्यमंत्री डी.डी उइके की अध्यक्षता में बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल,मुलताई विधायक चन्द्रशेखर देशमुख,आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे,घोड़ाडोगरी विधायक श्रीमति गंगा उइके के साथ एनएचएआई,एनएच,फारेस्ट एवं प्रशासनिक अफसरों की हुई बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री उइके नें एनएचएआई अफसरों को निर्देश दिए है कि बैतूल इटारसी निर्माणधीन फोरलेन सड़क में बरेठा घाट के आसपास आवागमन के सुचारू संचालन के लिए बरेठा घाट के दोनों ओर की

सड़क का चौड़ीकरण एवं रिपेयरिंग तत्काल किया जाए। जिससे आवागमन सुचारू संचालित हो सके। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर मनीष कुमार मीणा नें बरेठा घाट की सड़क की रिपेयरिंग कर उसे सुविधाजनक बनानें का आश्वासन दिया।

बैठक में केन्द्रीय मंत्री सहित विधायकों नें बैतूल से इटारसी के बीच,भौरा शाहपुर सहित अन्य स्थानों पर, बैतूल-इन्दौर फोरलेन पर खेड़ीसावलीगढ-चिचोंली के बीच विभिन्न ग्रामों में सर्विस रोड सहित अन्य समस्याओं से ग्रामीणों को हो रही परेशानी से एनएचएआई के अफसरों को अवगत कराकर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में 10 मीटर चौड़ाई के बननें वाले बैतूल आशापुर एवं बैतूल परतवाड़ा मार्ग निर्माण को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बैतूल में बनेगा एकीकृत स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स : विधायक

50 करोड़ की स्पोर्ट्स परियोजना से बैतूल को मिलेगा खेलों का बड़ा तोहफा

बैतूल। मध्य प्रदेश वरिष्ठ खिलाड़ी संघ का विधिवत गठन बैतूल में वरिष्ठ खिलाड़ियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैतूल के लोकप्रिय विधायक हेमंत खंडेलवाल ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत में नगर के वरिष्ठतम महान खिलाडयिों को सम्मानित किया गया। बलबीर सिंह वालिया, रामप्रसाद सोनी, डॉ सतीश खंडेलवाल, अभय गर्ग, उमाकांत श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह ठाकुर, रुद्र नारायण शुक्ला, नरेंद्र शर्मा, नरेश शर्मा, श्रीनिवास दवंडे, महेंद्र सिंह तोमर, राकेश बाजपेई, शफीक खान, दिनेश शर्मा, सतीश देशमुख, इंद्रसेन ठाकुर और अक्षय वर्मा को शाल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से मध्यप्रदेश वरिष्ठ खिलाड़ी संघ का गठन किया गया। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल को प्रदेश संयोजक, रमेश भाटिया को प्रदेश अध्यक्ष और मुकेश वर्मा को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया।अपने संबोधन में वरिष्ठ खिलाड़ी डॉ सतीश खंडेलवाल ने इंटर स्कूल और इंटर कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं को पुनः जीवित करने की आवश्यकता पर बल दिया। अभय गर्ग ने जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की खोज और उन्हें प्रोत्साहित करने की योजना प्रस्तुत की। इंद्रसेन

ठाकुर ने खेलों के लिए वित्तीय संसाधन स्वयं से जुटाने का सुझाव देते हुए अपनी ओर से एक लाख रुपये देने की घोषणा की। महेंद्र सिंह तोमर ने सभी से स्नेह और आत्मीयता का व्यवहार बनाए रखने का संदेश दिया। जिला हॉकी संघ सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बैतूल में खेल प्रतियोगिताओं को पुनर्जीवित करने का आह्वान किया। वरिष्ठ खिलाड़ी नरेंद्र सिंह ठाकुर ने विधायक हेमंत खंडेलवाल और उनके परिवार द्वारा खेलों के लिए किए गए अधोसंरचना के कार्यों की सराहना की। उन्होंने खिलाड़ियों से समन्वय और सामंजस्य के साथ कार्य करने का आह्वान किया। वरिष्ठ खिलाड़ी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश भाटिया ने संघ के उद्देश्य और प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। प्रदेश सचिव मुकेश वर्मा ने ग्रामीण स्तर पर खेल आयोजन बढ़ाने की बात की। शिवाजी फुटबॉल क्लब के धीरज भारती ने हर वार्ड में खाली पड़ी शासकीय भूमि पर छोटे खेल मैदान बनाने का सुझाव विधायक को दिया। कार्यक्रम में जगदीप वर्मा, नवनीत श्रीवास, धर्मेंद्र पवार, एफाज बक्स, रवि पटेल, इरफान खान लालू, विनोद बुंदेले, मनप्रीत सिंह वालिया और इंद्रप्रीत सिंह वालिया ने विधायक हेमंत खंडेलवाल को स्मृति चिह्न और शाल देकर सम्मानित किया।

बैतूल के खेल जगत में होगा बड़ा बदलाव – विधायक हेमंत खंडेलवाल ने अपने संबोधन में बैतूल में एकीकृत स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना का विवरण दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ मिलकर 50 करोड़ रुपये की परियोजना पर कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। यह बैतूल के खेल जगत के लिए एक बड़ा बदलाव लेकर आएगा।

योग में शोभापुर के गौरव ने बनाया 1 घंटे 21 मिनट का रिकॉर्ड

- हठ योग की ज्ञान मुद्रा में पद्मासन से इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

बैतूल। शोभापुर सारनी जिला बैतूल के गौरव पवार ने योग के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए अपने जिले का नाम पूरे देश में रोशन कर दिया है। गौरव ने हठ योग की ज्ञान मुद्रा में पद्मासन लगाकर 1 घंटे 21 मिनट तक ध्यान में रहने का अद्भुत रिकॉर्ड बनाया है। उनकी इस उपलब्धि ने पूरे बैतूल जिले को गर्व से भर दिया है। गौरव पवार ने गुरुकुल से अपनी शिक्षा पूरी की है और योग के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। उनकी इस उपलब्धि को डॉक्टर शुभम रात्रे और डॉक्टर निखिल चौरसिया ने प्रमाणित किया है, जो रिकॉर्ड बनाने के समय वहां उपस्थित थे। गौरव का नाम अब इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है, जो उनकी इस असाधारण उपलब्धि का प्रमाण है। उनकी यह उपलब्धि योग के प्रति उनके समर्पण और प्रतिभा को दर्शाती है। बैतूल और पूरे देश को गौरव की इस सफलता पर गर्व है।

गीता का ज्ञान हर समस्या का समाधान है : तिवारी

बैतूल। शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में गीता जयंती सप्ताह के अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था प्रत्याशा महिला एवं बाल उत्थान समिति द्वारा सामूहिक गीता पाठ का आयोजन किया। जिसमें मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं और समाजसेवियों द्वारा गीता के 12वें अध्याय का वाचन किया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी, जिला समन्वयक प्रिया चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार सुनील द्विवेदी, पूर्व नपाध्यक्ष नरेंद्र शुक्ला, योग गुरु सुनील कुबड़े, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत गर्ग, समाजसेवी प्रमोद अग्रवाल, संजय शुक्ला, सजल गर्ग, घनश्याम मदान, राजन पुरी, आशीष पचौरी, शैलेंद्र बिहारीया, चंद्रभागा भूमरकर सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन तूलिका पचौरी ने किया। इस अवसर पर गीता का महत्व समझाते हुए कौशलेश तिवारी ने कहा कि गीता के पाठ से हर समस्या का समाधान मिलता है। इस अवसर पर सेवानिर्वत प्राचार्य शकुंतला पचौरी ने बताया कि गीता हमें धर्म और अच्छे कर्म करने की प्रेरणा देती है। वरिष्ठ पत्रकार सुनील द्विवेदी ने गीता के सामूहिक वाचन के महत्व पर प्रकाश डालते कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य धर्म, कर्म और समाजसेवा के प्रति लोगों में जागरूकता लाना है। इस अवसर पर निमिषा शुक्ला, तरुणा द्विवेदी, कृष्णा अमृते, रेखा गुजरे, मीनाक्षी शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित थ।

चोरों ने पट्टन बस स्टैंड की एक दर्जन दुकानों पर की चोरी

चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद, क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद

बैतूल/मुलताई । मुलताई क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद है। बीती रात प्रभात पट्टन के बस स्टैंड परिसर में स्थित करदे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की आधा दर्जन से अधिक एवं अन्य दुकानों पर धावा बोलकर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए नगद एवं सामग्री पर हाथ साफ कर रफूचक्कर हो गए। चोरों ने जिन दुकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया, वहां के सीसीटीवी के कमरे में भी चोरों की पिक्चर कैद हुई है, जिसमें चोर चोरी की घटना को अंजाम देते हुए दिखाई दे रहा है। अज्ञात चोरों ने बस स्टैंड परिसर में पान की गुमटियों को भी नहीं छोड़ा, वहां पर भी चोरी की घटना को अंजाम दिया। रविवार सुबह जब ग्रामीणों ने दुकानों के ताले टूटे देखे, तो चोरी की घटना का खुलासा हुआ। जिसके चलते दुकानदार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण बस स्टैंड परिसर में जमा हो गए। आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया और चोरों को पकड़ने की मांग करते रहे। कृषि केंद्र के संचालक संजय वडुरकर सहित अन्य व्यापारियों ने

बताया कि बस स्टैंड परिसर में स्थित करदे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में स्थित कृषि केंद्र, वस्त्र भंडार, मेडिकल दुकान सहित अन्य दुकानों के ताले तोड़कर अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। वही चोरों ने बस स्टैंड पर स्थित पान की गुमटियों सहित अन्य दुकानों पर भी चोरी की है। एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में दो चोर शटर का ताला तोड़कर दुकान में प्रवेश कर चोरी करते हुए कैद हुए हैं। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। इस घटना को लेकर ग्रामीण पुलिस की रात्रि गश्त पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं।

मुलताई क्षेत्र में बढ़ रही है आपराधिक गतिविधियां- मुलताई क्षेत्र में बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों को लेकर नागरिकों में जबरदस्त रोष है। बीती रात प्रभात पट्टन के बस स्टैंड पर हुई चोरी के बाद पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों ने प्रभात पट्टन बस स्टैंड पर इसको लेकर विरोध प्रदर्शन कर पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाएं। यहाँ उल्लेखनीय है कि बीते कुछ दिनों से मुलताई नगर सहित क्षेत्र में जुआ-सट्टा आम बात हो गई है। जुआ-सट्टा खिलाने वाले नए-नए खेमे भी सक्रिय हो गए हैं। पट्टन क्षेत्र, दुनावा क्षेत्र, साइखेड़ा क्षेत्र में जुआ एवं सट्टे के क्लब संचालित होने की चर्चा हैं। वही मुलताई में भी सट्टे के कई क्लब संचालित होने की खबर है और हर गली और नुक्कड़ में एजेंट नियुक्त कर सट्टा पट्टी काटी जा रही है।

स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिये समर्पित दौड़ सराहनीय कार्य : उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अटल पार्क रीवा में आयोजित पैदल दौड़ व स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिये समर्पित दौड़ सराहनीय कार्य है। महानगर की तर्ज पर रीवा में भी इस पार्क में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक संस्थाओं व व्यक्तियों द्वारा किया गया आयोजन सराहनीय है। श्री शुक्ल ने पैदल दौड़ में विभिन्न आयु वर्ग के विजेताओं को पुरस्कृत किया। गुड मार्निंग ग्रुप एवं निजी चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सड़क निर्माण कार्य की समीक्षा की

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सिलपरा-बेला रिंग रोड तथा ढेकहा तिराहे से करहिया मंडी सड़क निर्माण कार्य की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में श्री शुक्ल ने सिलपरा - बेला रिंग रोड के अद्यतन कार्य की जानकारी लेते हुए इसमें और अधिक गति देने के निर्देश दिये। उन्होंने रिंग रोड में आरओवी तथा पुल निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करते हुए सड़क कार्य को अक्टूबर 2025 तक पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। श्री शुक्ल ने ढेकहा तिराहे से करहिया मंडी तक के सड़क निर्माण कार्य की बाधाओ को दूर करते हुए कार्य को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये।

बैठक में उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में ठण्ड से बचाव के लिये गौवंश के लिये बनाये जा रहे शेड निर्माण कार्य को आगामी दस दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर उन्होंने हिनौती गौधाम में अधोसंरचना विकास के कार्यो की जानकारी प्राप्त की। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, समाजसेवी राजेश पाण्डेय सहित निर्माण विभाग के अधिकारी, जिला पंचायत के संजय सिंह उपस्थित रहे।

पुस्तक 'कैंसर से कैंसर तक संघर्ष' का विमोचन

भोपाल। शुभालय पर्ल्स में प्रोफेसर अर्जुनदास खत्री के द्वारा लिखित लघु रामचरित का पारायण किया गया। जि संगीतमय गायन में दिवाकर कोतवाल एवं भुवन चंद्र भट्ट के साथ ही कई लोगों ने भागीदारी की।

रामायण पाठ और प्रसाद वितरण उपरांत कलामंदिर के अध्यक्ष डॉ गौरीशंकर शर्मा गौरीश, निराला सृजनपीठ की निदेशक डॉ साधना बलवटे, वरिष्ठ साहित्यकार गोकुल सोनी, हरिबल्लभ शर्मा हरि, सीमा हरि शर्मा, राजेंद्र गट्टानी विनोद कुमार जैन, बिहारीलाल सोनी, राममोहन चौकसे, प्रेमचंद गुप्ता, चरणजीत सिंह कुकरेजा, घनश्याम मैथिल अमृत के कर कमलों से खत्री जी द्वारा लिखित कृति 'कैंसर से कैंसर तक' का विमोचन किया गया।

ज्ञातव्य हो कि श्री अर्जुनदास खत्री पहले एक बार कैंसर से पूरी जीवटता से लड़े और विजय पाई। अभी फिर से वे लंग्स कैंसर से बहादुरी के साथ सफलता पूर्वक जूझ रहे हैं। इस लड़ाई में उनका मनोबल बढ़ाने के लिए सभी कॉलोनीवासी एवं साहित्य जगत उनके साथ खड़ा है। उद्बोधन में गौरीश ने कहा कि संक्षिप्त रामचरित एवं यह पुस्तक लिखकर खत्री जी ने बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया है। कार्यक्रम की व्यवस्था में श्रीमती खत्री एवं उनके पुत्र पूरी तरह से साथ रहे।

एम्स भोपाल की डॉ. अनुराधा कुशवाह आईसीआईएएचपी-2024 में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। हाल ही में, मनोचिकित्सा विभाग में चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट डॉ. अनुराधा कुशवाह को भारतीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान अकादमी के 9वीं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मेलन 22 से 24 नवंबर 2024 तक भारतीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान अकादमी द्वारा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के सहयोग से आयोजित किया गया था। प्रो. सिंह ने डॉ. कुशवाह को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा, 'यह पुरस्कार हमारे संकाय के नवाचार और समर्पण का प्रमाण है। डॉ. कुशवाह का काम स्लो लर्नर किशोरों की चुनौतियों को हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐसा शोध न केवल उनकी शैक्षणिक सफलता को बढ़ाता है बल्कि उनके समग्र जीवन स्तर को भी सुधारता है, जिससे एक समावेशी और सहयोगात्मक शैक्षिक वातावरण तैयार होता है। डॉ. कुशवाह के शोध पत्र का शीर्षक एफिकैसी ऑफ कॉग्निटिव रिट्रैनिंग इन स्लो लर्नर एडोलैसैंट्स था। उनके शोध में ऐसे किशोरों के लिए एक संज्ञानात्मक पुनर्प्रशिक्षण पैकेज विकसित करने और उसकी प्रभावशीलता का अध्ययन किया गया, जिन्हें सीखने में कठिनाइयाँ होती हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नैनिहालों को पिलाई पोलियो की खुराक

कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से छूटे नहीं : उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 0-5 वर्ष आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के अभियान का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने नैनिहालों को दवा पिलाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि माताएँ व बहने जागरूक रहें कि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से छूटे नहीं। स्वास्थ्य विभाग का अमला भी हर बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य दें।

कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय रीवा में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में स्वस्थ्य भारत के लिए अभियान चलाकर रोगों के उन्मूलन के कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। प्रदेश में भी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक सभी प्रकार की निःशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है ताकि समय रहते रोग की जांच हो जाय और उपचार मिले जिससे अस्पतालों में भीड़ न बढ़े। स्वास्थ्य सुविधाओं के उद्देश्य से प्रदेश में दो हजार चिकित्सकों, तीन हजार पैरामेडिकल स्टाफ सहित 16 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती की जा रही है ताकि ग्रामीण स्तर तक समुचित उपचार की

सुविधाएँ मुहैया हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिशु मृत्यु दर व मातृ मृत्यु दर को कम करने के प्रयास किये जा रहे हैं। आमजन जागरूक होकर इसमें सहयोग करें तथा स्वास्थ्य विभाग का भी दायित्व है कि इस कार्य में अपना संपूर्ण योगदान दें। श्री शुक्ल ने कहा कि गरीब, किसान, महिला व युवा के कल्याण को प्राथमिकता देने का प्रदेश सरकार की लक्ष्य है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि अपने दायित्व का निर्वहन करें और स्वस्थ्य प्रदेश व देश बनाने में सहभागी हों। उप मुख्यमंत्री ने आशा कार्यकर्ताओं द्वारा किये जा रहे सेवाभाव की सराहना की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 16 संवेदनशील जिलों में पल्स पोलियो अभियान संचालित किया जा रहा है। रीवा जिला इसमें शामिल नहीं है परन्तु हमारा कर्तव्य है कि जिले में पोलियो खुराक नवजात बच्चों को मिले ताकि उन्हें पोलियो की बीमारी का कवच मिल सके।

इससे पूर्व राज्य प्रतिनिधि डॉ. विपिन श्रीवास्तव ने रीवा में टीकाकरण में हुई उल्लेखनीय उपलब्धि की सराहना की। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बी.के. अग्निहोत्री ने पल्स पोलियो सहित जिले में टीकाकरण कार्य की प्रगति के विषय में जानकारी दी। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल, राजेन्द्र गौतम, डॉ. आर.बी. चौधरी, सिविल सर्जन डॉ. एमएल गुप्ता, डीपीएम राघवेन्द्र मिश्रा, ऋषिराज गौतम सहित चिकित्सक, नवजात बच्चों की माताएँ तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

हर पात्र हितग्राही को योजनाओं का लाभ दें : मुख्यमंत्री

प्रदेश में मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान चलेगा 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक

रीवा। प्रदेश में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान तथा 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अभियान की तैयारियों के संबंध में जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करना है। अभियान 11 दिसम्बर से गीता जयंती से आरंभ होगा। इसका समापन 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस को होगा। अभियान के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय के प्रत्येक वार्ड में शिविर लगाकर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। इन शिविरों में भी यदि हितग्राही लाभ पाने से वंचित रह गए तो उन्हें 26 जनवरी को लाभान्वित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और शहरी क्षेत्र के लिए आयुक्त नगर निगम नोडल अधिकारी होंगे। कलेक्टर पूरे जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के शिविरों की तिथियाँ निर्धारित कर प्रिंट और सोशल मीडिया के माध्यम से उनका प्रचार-प्रसार कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक शिविर के लिए नोडल अधिकारी तथा अधिकारियों के दल तत्काल तैनात कर दें। प्रत्येक दिन की गतिविधि तथा लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज होगी। विभाग अपनी योजनाओं का लाभ देने के लिए अलग से भी शिविर लगा सकते हैं। परिवहन विभाग स्कूल और महाविद्यालयों में शिविर लगाकर ड्राइविंग लाइसेंस बनाएं। राजस्व महाभियान अब 15 दिसम्बर को समाप्त नहीं होगा। यह अभियान 26 जनवरी तक चलाया जाएगा। जन कल्याण अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों, विकासखण्डों, अधिकारियों और कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस में सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक जन कल्याण पर्व मनाया जाएगा। इस अवधि में अलग-अलग विषयों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 11 दिसम्बर को गीता जयंती पर गीता पाठ का आयोजन होगा। अभियान के दौरान सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार किया जाए। लोकार्पण और भूमिपूजन के कार्य भी कराए जाएंगे। वीडियो कान्फ्रेंसिंग से रीवा कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से भाग लेते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री जी विशेष पहल करके यदि स्लीमनाबाद टनल का कार्य पूरा करा दिया जाए तो सतना जिले के लाखों किसान लाभान्वित होंगे। नवगठित मऊगंज और मैहर जिलों के लिए जिला अस्पताल भवन स्वीकृत हो गए हैं। अभियान के दौरान इनका भूमिपूजन करके निर्माण कार्य शुरू किया जाए। एनआईसी केन्द्र से विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल शामिल हुई। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी एमएस सिकरवार, डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, अपर कमिश्नर अरूण परमार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने जिला चिकित्सालय में निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय में निर्माणाधीन ओपीडी तथा 100 विस्तर के अस्पताल विस्तार भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देश दिये कि आगामी एक माह में ओपीडी का निर्माण पूरा कराकर लोकार्पण करायें तथा 100 विस्तर के अस्पताल विस्तर भवन का कार्य शीघ्रता से करें ताकि उसे भी जल्द ही लोकार्पित किया जा सके। उप मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिये।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सर्किट हाउस निर्माण कार्य का किया निरीक्षण- रीवा 08 दिसम्बर 2024 उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्माणाधीन रीवा सर्किट हाउस का निरीक्षण किया तथा निर्देश दिये कि सभी शेष कार्य 11 दिसंबर तक पूरा किया जाना सुनिश्चित करायें। उन्होंने बताया कि आगामी 12 दिसंबर को महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा सर्किट हाउस का लोकार्पण प्रस्तावित है अतः सभी कार्य तय समय सीमा में पूरा करा लिये जाय। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि राजनिवास परिसर में नवीन सर्किट हाउस 2100 वर्ग मीटर में 6 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से निर्मित किया जा रहा है जिसमें 5 सुईट रूम तथा एक सामान्य रूम के साथ ही किचन, डायनिंग एरिया, लिफ्ट आदि का भी प्रावधान है। नवीन सर्किट हाउस के निर्माण में वास्तुकला को प्राथमिकता देते हुए ठहरने वाले अतिथियों की सुविधा के अनुरूप फर्निसिंग कार्य किया गया है। वाह्मय विकास कार्यों के साथ ही आकर्षक लान भी विकसित किया जा रहा है।

सदमे से उबर नहीं पाई कांग्रेस, इसीलिए फैलाई जा रही हैं भ्रामक खबरें :वीडी शर्मा

● विजयपुर विधानसभा उपचुनाव के विषय में कांग्रेस द्वारा प्रायोजित खबरें निराधार व भ्रामक हैं ● आधारहीन एवं सत्यहीन विषयों पर किसी तरह की प्रतिक्रिया व टिप्पणी न करें पार्टी कार्यकर्ता

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि विजयपुर विधानसभा उपचुनाव के विषय में कांग्रेस निराधार एवं भ्रामक खबरें प्रायोजित कर रही है। मैं मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते प्रदेश नेतृत्व व पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को स्पष्ट सूचित करना चाहता हूं कि इस तरह के आधारहीन, तथ्यहीन व भ्रामक विषयों पर किसी भी तरह की प्रतिक्रिया व टिप्पणी न करें। केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता व सम्मानित केंद्रीय मंत्री हैं। जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी तक सिंधिया परिवार का पारिवारिक नाता है।

विजयपुर विधानसभा उपचुनाव सामूहिक नेतृत्व के आधार पर पूरी मजबूती से लड़ा - भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि विजयपुर विधानसभा उपचुनाव भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक नेतृत्व के आधार पर पूरी मजबूती के साथ लड़ा था और पिछले विधानसभा चुनाव से अधिक मत प्राप्त किए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द मोदी जी के नेतृत्व में देश में एवं प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन की सरकार मध्यप्रदेश को स्वर्णिम बनाने के लिए संकल्पित है। प्रदेश में लगातार हो रहे विकास कार्य से कांग्रेस को परेशानी है इसलिए जनता को भ्रमित करना चाहती है।

सदमे से नहीं उबर पाई कांग्रेस, इसलिए असत्य खबरों को प्रश्रय दे रही - भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व सम्मानित केंद्रीय मंत्री हैं। राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी जनसंघ की संस्थापक रही थीं। जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी तक सिंधिया परिवार का वर्षों पुराना पारिवारिक नाता रहा है। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी कांग्रेस की कमलनाथ सरकार को गिराकर श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्यप्रदेश में भाजपा की विकासवादी व राष्ट्रवादी सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कांग्रेस पार्टी कमलनाथ की सरकार गिरने के सदमे से अब तक उबर नहीं पाई है, इसलिए अपने नाकारा नेतृत्व को छिपाने के लिए इस तरह के निराधार व असत्य विषयों को प्रश्रय देकर भ्रम फैलाने का कार्य करती है।

एम्स भोपाल की पीएचडी छात्रा सुश्री कश्मी शर्मा

एनबीआरसीओएम-2024 में यंग रिसर्चर अवॉर्ड से सम्मानित

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में, संस्थान ने शोध और चिकित्सा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं। उनके मार्गदर्शन में एम्स भोपाल के ट्रांसलेशनल मेडिसिन विभाग की पीएचडी छात्रा सुश्री कश्मी शर्मा ने 5वें साइंस एनक्लेव कम नेशनल बायोमेडिकल रिसर्च कॉम्पिटिशन में यंग रिसर्चर अवार्ड जीतकर संस्थान को गौरवान्वित किया। यह कार्यक्रम 1 से 3 दिसंबर 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया। ट्रांसलेशनल मेडिसिन एवं इन्फेक्शियस डिजीज लैबोरेटरी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मेघा कतारे पांडे के मार्गदर्शन में कार्य कर रही सुश्री कश्मी को उनके शोध के लिए बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन अवार्ड और रू. 5,000 का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए, प्रो. सिंह ने कहा-सुश्री कश्मी शर्मा और उनकी टीम की इस उपलब्धि से एम्स भोपाल के शोधकर्ताओं के असाधारण योगदान को रेखांकित किया गया है। एनबीआरकॉम-2024 जैसे कार्यक्रम युवा शोधकर्ताओं को अपने काम को प्रस्तुत करने का एक प्रतिष्ठित मंच प्रदान करते हैं। यह नवाचार और अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देता है, जो स्वास्थ्य देखभाल के परिणामों को बदलने में

महत्वपूर्ण है। कश्मी शर्मा के शोध का शीर्षक थाः रिस्क ऑफ ह्यूमन पर्वोवायरस बी19 ट्रांसमिशन इन निओनेटल इंटेंसिव केयरः इनसाइट्स फ्रॉम ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी आन सेप्सिस एंड ब्लड ट्रांसफ्यूज़न। यह शोध जीएमसी भोपाल के साथ सहयोग में और सह-लेखकों श्री रोहन श्रीवास्तव, श्री सोमेश मिश्रा, और ट्रांसलेशनल मेडिसिन की प्रमुख डॉ. रुपिंदर के. कंवर के साथ किया गया।

यह अध्ययन स्वास्थ्य विज्ञान के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह नवजात देखभाल में वायरल संक्रमण को रोकने के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह शोध संक्रमण नियंत्रण प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने और नवजात शिशुओं के परिणामों को सुधारने में मदद करेगा। एम्स भोपाल की अन्य छात्राओं सुश्री जेबा जिवा खान और सुश्री पूनम परिहार ने भी फ्लाई ऐश के पशु मॉडल पर प्रभाव पर अपने शोध प्रस्तुत किए, जो सम्मेलन में विज्ञान और नवाचार पर आधारित चर्चाओं में योगदान देते हैं। एनबीआरकॉम-2024 सम्मेलन का आयोजन एम्स नई दिल्ली और जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा सोसायटी ऑफ यंग बायोमेडिकल साइंटिस्ट्स (SYBS इंडिया) के तहत किया गया। यह सम्मेलन एक प्रतिष्ठित मंच है, जो बायोमेडिकल अनुसंधान में अंतः विषय सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देता है। इस कार्यक्रम में तकनीकी सत्र और पोस्टर प्रस्तुतियां शामिल थीं।

भोपाल निगम की गाड़ी ने हाथीखाना इलाके में छोड़े कुत्ते

7 मिनट में 9 कुत्तों को ट्रक से उतारा, रहवासी बोले- बाहर निकलने में भी लगता है डर

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हाथी खाना इलाके में नगर निगम की गाड़ी दूसरे इलाके से कुत्ते लाकर छोड़ रही है। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गाड़ी से कुत्ते उतारने का एक सीसीटीवी सामने आया है। 7 मिनट के इस सीसीटीवी में ट्रक से 9 से अधिक कुत्तों को उतारा गया। इलाके के लोगों का कहना है कि यह गाड़ी लगातार ऐसा कर रही है। मना करने पर ये डराते-धमकाते हैं। अगर कोई वीडियो बना ले तो उसे डिलीट करा देते हैं। रहवासी मोहम्मद अय्यूब ने बताया- लगातार हमारे इलाके में निगम की गाड़ी डॉग को छोड़कर चली जाती है। भोईपुरा हाथी खाना से बुधवारा चौराहे तक 200 से 250 कुत्ते होंगे, इनकी इतनी अधिक संख्या यहां के लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। बाहर निकलने में डर लगता है। हम अपने बच्चों को बाहर नहीं निकलने देते हैं। हालत यह है कि यह डॉग हम लोगों के घरों में भी आ जाते हैं, गाड़ियों के पीछे लपकते हैं। कई बार हमने इसकी

शिकायत की, मगर निगम कर्मी इनको रेस्क्यू करने की बजाय, यहां पर छोड़कर चले जाते हैं।

सेंट्रल गवर्मेंट के एबीसी रूल 2023 का उल्लंघन: एनिमल एक्टिविस्ट स्वाति गौरव ने बताया कि इस तरह से एक इलाकों से दूसरे इलाकों में डॉग्स को छोड़ना गलत है, क्योंकि इसमें वैक्सीनेट और नॉन वैक्सीनेट डॉग्स एक दूसरे के प्रति आक्रामक हो जाते हैं, इससे जहां एक तरफ इनको एक-दूसरे से खतरा होता है तो दूसरी तरफ इससे डॉग बाइट की आशंका भी बढ़ सकती है।

इस तरह से रहवासी इलाकों में कुत्तों को छोड़ने से वे कॉलोनियों में अंदर घुस जाते हैं, इलाके में पहले से मौजूद डॉग और उनके बीच आक्रामकता भी दिखाई देती है, नतीजतन इंसानों में यह डॉग बाइट भी बढ़ सकती है। यह एबीसी रूल 2023 के नियमों का उल्लंघन है।

जहां से उठाया जाता है, उन्हें वहीं छोड़ते हैं

नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी राजीव सक्सेना ने कहा कि मैंने वीडियो देखा है। जिन डॉग्स को छोड़ा गया है, वह डॉग्स वहीं से उठाए गए हैं। उन्हें वहीं छोड़ दिया गया। नियमानुसार जिस डॉग को जहां से उठाया जाता है वहीं छोड़ा जाता है।

व्यवसायी पर कुत्तों का हमला, पत्थर मारे तो युवतियों ने पीटा

उधर गोविंदपुरा में शनिवार सुबह 5 कुत्तों ने बाइक सवार प्रिंटिंग प्रेस व्यवसायी कृष्ण रंजन शर्मा पर हमला कर दिया। वे बेटी को स्कूल छोड़ने जा रहे थे। शर्मा ने कुत्तों को भगाने के लिए पत्थर मारे तो रितु और नम्रता विश्वकर्मा ने उनसे मारपीट की। इन लड़कियों के पालतू कुत्तों ने शर्मा को कई जगह काटा। गोविंदपुरा पुलिस ने रितु और नम्रता के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

नर्मदा की नहर में गिरी स्कूटी सवार मां-बेटी

प्रत्यक्षदर्शी ने मां को बचाया, बेटी की तलाश जारी; ओंकारेश्वर रोड पर हादसा

खंडवा (नप्र)। नर्मदा नदी की सबसे बड़ी नहर एक्वाडक्ट में स्कूटी सवार मां-बेटी गिर गई। हादसा खंडवा के मोरटक्का में ओंकारेश्वर रोड पर

हुआ। नहर तरफ से बचाओ-बचाओ की आवाज सुनकर एक युवक ने नहर में कूदकर मां को बचा लिया, बेटी को तलाशा, लेकिन वह नहीं मिली। दो घंटे सर्चिंग के बाद गोताखोरों को स्कूटी मिल पाई हैं। दरअसल, ओंकारेश्वर से निकली नर्मदा नदी की मुख्य नहर में मां-बेटी स्कूटी सहित जा गिरी। जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने नहर में डूबी मां को पानी से बाहर निकाल लिया, लेकिन बेटी अब तक लापता है। नहर में तैराकों द्वारा बेटी की खोज की जा रही है। बताते है कि नहर से गुजरते वक्त स्कूटी अनियंत्रित हो गई और वह सीधे नहर में गिर गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हम नहर के पास ही ईंट बना रहे थे, तभी चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंचे तो पता चला नहर में कोई डूब गया है, फिर उन्हें बचाने के लिए नहर में कूदे।

ओंकारेश्वर निवासी हैं मां-बेटी, घर जा रहे थेः मोरटक्का चौकी प्रभारी रमेश गवले के मुताबिक, घटना दोपहर डेढ़ बजे के करीब की हैं। ओंकारेश्वर निवासी प्रमिलाबाई गोस्वामी अपनी 18 वर्षीय बेटी भूमिका के साथ स्कूटी पर सवार होकर बड़वाह से ओंकारेश्वर की तरफ जा रही थीं। प्रमिलाबाई को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि भूमिका की तलाश की जा रहीं है।

म.प्र.के 15 लाख परिवारों को मुफ्त की योजना, तेंदूपत्ता संग्राहकों को भी मिलेगा संबल का लाभ

मुख्यमंत्री तेंदूपत्ता संग्राहक कल्याण योजना को मंजूरी दी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के दो हेक्टेयर भूमि वाले तेंदूपत्ता संग्राहकों को भी संबल का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री तेंदूपत्ता संग्राहक कल्याण योजना को स्वीकृति दे दी है। इस योजना का उन तेंदूपत्ता संग्राहकों को लाभ मिलेगा जो संबल योजना के अपात्र हैं यानी जिन संग्राहकों के पास एक हेक्टेयर से अधिक और दो हेक्टेयर तक कृषि भूमि है।

एक हेक्टेयर कृषि भूमि वालों को लाभ

संबल योजना में सिर्फ एक हेक्टेयर कृषि भूमि वाले संग्राहक को लाभ मिल सकता है। नई योजना के तहत वे तेंदूपत्ता संग्राहक ही योजना के पात्र मान जाएंगे, जिनकी पत्नी या पति शासकीय सेवा में न हों, आयकर दाता न हों तथा आयु 18 से 60 वर्ष हो। योजना के तहत संग्राहक की मृत्यु पर उसके वारिस को पांच हजार रुपये अंत्येष्टि सहायता दी जाएगी।

35 लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहक: इसके अलावा दुर्घटना में मृत्यु पर चार लाख रुपये, सामान्य मृत्यु पर दो लाख रुपये, स्थायी अपंगता पर दो लाख रुपये एवं आंशिक अपंगता पर एक लाख रुपये अनुग्रह राशि के रूप में दिए जाएंगे। बता दें, मध्य प्रदेश में 15 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार है और 35 लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहक संग्रहण का कार्य करते हैं।

इन्हें नहीं मिलेगा लाभ

ऐसे तेंदूपत्ता संग्राहक जिनकी मृत्यु 60 वर्ष से अधिक आयु होने पर होती है तो अनुग्रह राशि नहीं दी जाएगी। प्राकृतिक आपदा में मृत्यु पर भी यह अनुग्रह राशि नहीं दी जाएगी क्योंकि इसमें सहायता राजस्व विभाग द्वारा दी जाती है।

रबी सीजन में 18077 मेगावाट पहुंची बिजली की डिमांड

अब तक सर्वाधिक, केंद्र सरकार ने बढ़ाया थर्मल बिजली जनरेशन के लिए कोयले का कोटा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में रबी सीजन में बिजली की डिमांड पीक पर पहुंच गई है। सिंचाई में लगने वाली बिजली की सबसे अधिक डिमांड पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी में आने वाले जिलों में आई है। इस डिमांड के चलते प्रदेश में एक दिन में 18077 मेगावाट बिजली की अधिकतम डिमांड का रिकॉर्ड टूट गया है। इसके पहले जनवरी 2024 में 17614 मेगावाट बिजली की डिमांड दर्ज की गई थी। उधर बिजली की बढ़ती डिमांड को देखते हुए केंद्र सरकार ने थर्मल पावर के जरिये 4100 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए पांच साल बाद नया कोयला आवंटन कोटा तय कर दिया है।

6 दिसम्बर को एमपी में रिकॉर्ड डिमांड: ऊर्जा विभाग के अनुसार 6 दिसंबर को मध्यप्रदेश में किसी भी एक दिन सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति कर बिजली कंपनियों ने एक नया रिकॉर्ड बनाया। 6 दिसंबर को सुबह 9:15 बजे प्रदेश के इतिहास की सर्वाधिक विद्युत मांग 18077 मेगावाट दर्ज की गई। विभाग का दावा है कि, इतनी अधिक डिमांड के बाद भी बगैर किसी बाधा के प्रदेश में निर्बाध बिजली सप्लाई की गई। इस दिन कुल 3360 लाख यूनिट बिजली सप्लाई की गई, जो किसी भी एक दिन में सर्वाधिक आपूर्ति करने का प्रदेश में रिकॉर्ड है। इसके पूर्व 24 जनवरी 2024 को 17614 मेगावाट अधिकतम डिमांड दर्ज की गई थी।

इधर सोलर एनर्जी के उपयोग बढ़ाने पर भी फोकस

दूसरी ओर ऊर्जा विभाग द्वारा सोलर एनर्जी के अधिकतम उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। घरेलू कनेक्शन के लिए पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत एक किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रुपए, दो किलोवाट सोलर प्लांट लगाने पर 60 हजार रुपए और तीन किलोवाट या उससे ऊपर 10 किलोवाट तक के सोलर प्लांट लगवाने पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है।

डिमांड को देखते हुए तैयारी भी शुरू

प्रदेश में बिजली की डिमांड बढ़ते देख लंबी अवधि की विद्युत डिमांड का आकलन भी शुरू हो गया है। इसके लिए पिछले माह भारत शासन की उच्च स्तरीय अंतर विभागीय समिति द्वारा प्रदेश के ऊर्जा विभाग के प्रजेंटेशन से सहमत होकर कुल 4100 मेगावाट के नए थर्मल पावर प्लांट लगाने के लिए कोयला आवंटन मंजूर कर दिया है। इसके पहले एमपी को सास 2019 में 1360 मेगावाट मंजूर किया गया था। अब 5 वर्ष बाद मध्य प्रदेश को नवीन आवंटन प्राप्त हुआ है। एसीएस ऊर्जा नीरज मंडलोई के अनुसार, इन थर्मल पावर प्लांट लगने से प्रदेश में लगभग 25000 करोड़ रुपए का सीधा निवेश और हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही प्रदेश को उद्योग, घरेलू, कृषि संबंधित सिंचाई कार्यों के लिए बिजली मिल सकेगी।

शाम तक मरीजों का किया इलाज, सुबह मिली युवा डॉक्टर की लाश

- **खुद के लिए नहीं ढूंढ पाए कार्डियोलॉजिस्ट, अटैक से मौत**

उमरिया (नप्र)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ताला में पदस्थ एक युवा डॉक्टर शासकीय निवास मानपुर में मृत अवस्था में मिले हैं। सहकर्मियों के अनुसार डॉ राहुल वर्मा रात को बिल्कुल स्वस्थ थे ,कई स्वास्थ्य कर्मियों से सामान्य बातचीत भी हुई है, सुबह उनकी मृत्यु हो गई है। उन्हें कोई गंभीर बीमारी का पता नहीं चला है।

कार्डियोलॉजिस्ट को दिखाने के लिए नहीं मिला समय: जानकारी के अनुसार डॉ को ब्लड प्रेसर आदि की शिकायत हालिया दिनों में रही है, किसी कार्डियोलॉजिस्ट को दिखाने दूसरे डॉक्टर ने परामर्श भी दिया था, परन्तु व्यस्तता की वजह से नहीं दिखा पाए थे। रविवार की सुबह जैसे ही डॉक्टर्स को जानकारी लगी, वैसे ही उन्हें मानपुर अस्पताल लाया गया, परन्तु चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के असामयिक मृत्यु के पीछे हार्ट अटैक बताया जा रहा है।

युवा डॉक्टर की मौत से सदमे में परिजन

ताला स्वास्थ्य केंद्र में पदस्त डॉ राहुल वर्मा अविवाहित थे। घटना की जानकारी उनके परिजनों को पन्ना (अजयगढ़) में दे दी गई है। जल्द ही परिजन जिला अस्पताल पहुंचेंगे, जहां उनके शव को सुरक्षित रखा गया है। जिले में एक तरफ डॉक्टर्स की कमी और उसमें एक अच्छे डॉक्टर की असामयिक मौत जिले के लिए बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण खबर है। डॉ राहुल वर्मा की अचानक मौत से पूरे डॉक्टर और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कर्मियों में शोक की लहर है।

इन उपायों को अपनाकर कम कर सकते हैं कार्डियक अरेस्ट का खतरा

- स्वस्थ भोजन करें, नियमित व्यायाम करें, धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएं, और स्वस्थ वज़न बनाए रखें।
- हृदय रोग या इसके जोखिम कारकों की नियमित जांच कराकर, कई गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है।

जबलपुर समेत 13 जिलों में बारिश के आसार

ग्वालियर-चंबल में बर्फीली हवा चलेंगी; भोपाल-इंदौर में ठंड रहेगी

भोपाल (नप्र)। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से के जिलों में अगले 24 घंटे में बारिश के आसार हैं। जबलपुर समेत 13 जिलों में बारिश हो सकती है। ग्वालियर-चंबल संभाग में बर्फीली हवाएं चलेंगी जबकि भोपाल, इंदौर-उज्जैन में ठंड का असर रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, कटनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, शहडोल और सिंगरौली में कहीं-कहीं बारिश होने का अलर्ट है।

पूर्वी हिस्से में जहां बारिश और बादल रहेंगे। वहीं, उत्तर और पश्चिमी हिस्से में ठंड का असर बढ़ जाएगा। बर्फीली हवाएं ग्वालियर-चंबल में सीधे आएंगी, जिससे यह ठिठुर सकता है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन में भी तेज ठंड का असर रहेगा।

मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया, वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण उत्तरी इलाकों और पहाड़ों पर मौसम बदल सकता है। इस दौरान पहाड़ों पर बर्फबारी भी हो सकती है। ऐसा होने पर बर्फ पिघलने के बाद बर्फीली हवा प्रदेश में आएगी। वहीं, 8 दिसंबर को पूर्वी हिस्से में बारिश हो सकती है।

इंदौर-भोपाल में धूप खिली: इंदौर में पिछले 24 घंटे में दिन के तापमान में हल्की गिरावट आई है। दिन का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रात का तापमान भी 2 डिग्री लुढ़ककर 14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से फिर भी 2 डिग्री ज्यादा है। रात को हल्की ठंड थी। यहां सुबह से मौसम साफ है और धूप खिलने से ठंड असरदार नहीं है। भोपाल में भी सुबह से धूप निकली है।

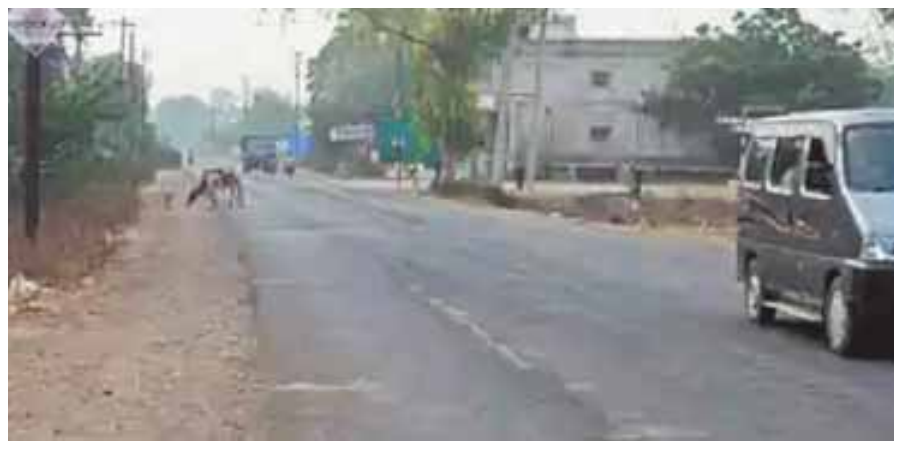

प्रदेश में फिर लुढ़का पारा

तीन-चार दिन की राहत के बाद प्रदेश के शहरों में रात का टेम्प्रेचर फिर लुढ़क गया है। शुक्रवार-शनिवार की रात 12 शहरों में रात का टेम्प्रेचर 10 डिग्री के नीचे रहा। शहडोल के कल्याणपुर, नौगांव में 8 डिग्री, सिंगरौली के देवरा और रीवा में 8.2 डिग्री, सतना के चित्रकूट और शिवपुरी के पिपरसमा में 8.5 डिग्री, राजगढ़ में 9 डिग्री, टीकमगढ़ में 9.1 डिग्री, खजुराहो में 9.2 डिग्री, उमरिया में 9.4 डिग्री, पचमढ़ी में 9.6 डिग्री और सतना में 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुना, सीधी, रायसेन और मंडला में टेम्प्रेचर 12 डिग्री से नीचे ही रहा। बड़े शहरों में भी रात के तापमान में गिरावट हुई है। इसके बाद भोपाल में 11.2 डिग्री, इंदौर में 16.3 डिग्री, ग्वालियर में 10.1 डिग्री, उज्जैन में 13.8 डिग्री और जबलपुर में 11.1 डिग्री दर्ज किया गया।

20 दिसंबर से कड़ाके की ठंड का दौर

मौसम विभाग के अनुसार, 15 दिसंबर तक मौसम में ऐसा ही उतार-चढ़ाव रहेगा। कभी तेज ठंड, कभी बारिश तो कभी बादल छाए रहेंगे। कड़ाके की ठंड का दौर 20 दिसंबर से शुरू होगा, जो जनवरी तक बना रहेगा। इन्हीं 40 दिनों में 20 से 22 दिन कोल्ड वेव यानी, सर्द हवाएं भी चल सकती है। सबसे ज्यादा ठंड उज्जैन, ग्वालियर-चंबल संभाग में रहेगी। वजह बर्फीली हवाएं सीधे आना है।

वर्ष 2014 से 2023 तक के ट्रेंड पर नजर डाली जाए तो भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के अन्य शहरों में दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में ही कड़ाके की ठंड पड़ना शुरू होती है। इन पांच बड़े शहरों में पारे में सबसे ज्यादा गिरावट ग्वालियर में होती है। पिछले 10 साल में एक बार टेम्प्रेचर 1.8 डिग्री तक पहुंच चुका है। जबलपुर में यह 4.4 डिग्री और उज्जैन में 2.5 डिग्री तक रहा है। भोपाल और इंदौर में भी टेम्प्रेचर 5 डिग्री से नीचे रहे हैं।

ट्रक ने युवक को रौंदा, चार टुकड़े हुए

पॉलीथिन में पोस्टमार्ट्म के लिए भेजना पड़ा शव; ग्वालियर में 3 हादसों में 3 की मौत

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में बारात से लाइट लेकर लौट रहे शख्स को ट्रक ने कुचल दिया। शव के चार टुकड़े हो गए। पुलिस को पॉलीथिन में रखकर शव पोस्टमार्ट्म के लिए ले जाना पड़ा। हादसा शनिवार रात 12 बजे इंदरगंज में हुआ।

बीते 12 घंटे में शहर में तीन सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई है। यह हादसे इंदरगंज, बहोड़ापुर और घाटीगांव इलाके में हुए हैं। तीनों ही हादसों में चालक की लापरवाही सामने आ रही है।

इंदरगंज थाने के सामने युवक के ऊपर से ट्रक का पहिया गुजर गया। वहीं, घाटीगांव और बहोड़ापुर में बाइक सवारों को तेज रफ्तार वाहनों ने टक्कर मार दी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई है।

लाइट लेकर पैदल लौट रहे थे, तभी हादसा हो गया

इंदरगंज थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह कुशवाह ने बताया, मृतक की शिनाख्त मुल्ला जी (50) के रूप में हुई है। वह राजेंद्र बैंड में काम कर रहा था। शनिवार रात वह विक्की फैक्ट्री स्थित एक बारात के लिए पहुंचा था। आरोपी ट्रक ड्राइवर जीतेंद्र दोहरे को पकड़ लिया है। वह गेहूं से भरा ट्रक दिल्ली से दतिया ले जा रहा था। रास्ते में कुछ और सामान भरने के लिए वह इंदरगंज आया था। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है।

मुल्ला जी के साथ चल रहे अमन प्रजापति ने बताया कि बारात खत्म होने के बाद रात करीब 9.30 बजे विक्की फैक्ट्री से पैदल ही लाइट लेकर आ रहे थे। ढाई घंटे में वे इंदरगंज तक पहुंचे थे। छप्पर वाला पुल स्थित गोदाम पर पहुंचते, उससे पहले ही यह हादसा हो गया।

बाइक को कार ने रौंदा, व्यापारी की मौत

बहोड़ापुर के बारह बीघा में रहने वाले रजत ओझा गोला का मंदिर पर हार्डवेयर से रात 11 बजे घर लौट रहे थे। कोटेश्वर रोड पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

साय मंत्रिमंडल विस्तार के बादल नहीं छंट रहे

विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल के विस्तार पर कुहासा छाया हुआ है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री श्री साय राज्यपाल रमेन डेका से मिलने गए और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले तो कइयों के चेहरे पर रौनक आ गई थी, पर अब चर्चा चल पड़ी है कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के बाद ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। साय मंत्रिमंडल में अभी मंत्री के दो पद खाली हैं और 3-4 को बदले जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। माना जा रहा है कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के पहले व्यापक फेरबदल से नाराजगी की आशंका के चलते मंत्रिमंडल विस्तार को टाला जा रहा है। मंत्रिमंडल विस्तार पर बादल छाए रहने के कारण दावेदारों में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। खबर है कि कुछ दावेदार अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ माहौल बनाने में लग गए हैं।

मुख्यमंत्री ने की अरुण साव की तारीफ

तीन दिसंबर को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित जनादेश दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव की जमकर तारीफ़ की। 2023 के विधानसभा चुनाव के वक्त अरुण साव प्रदेश भाजपा अध्यक्ष थे। कहते हैं मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने भाषण में साफ़-साफ़ कहा कि अरुण साव के नेतृत्व में भाजपा ने कांग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंका। अरुण साव की प्रशंसा के कई मायने निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि मुख्यमंत्री की तारीफ़ का संकेत है कि सरकार में साव का कद बढ़ गया है। पिछले कुछ महीनों से अरुण साव मुख्यमंत्री के साथ कई कार्यक्रमों में नजर भी आ रहे हैं। वैसे भी मुख्यमंत्री के बाद साव के पास भारी-भरकम और महत्वपूर्ण विभाग हैं। आने वाले दिनों में नगरीय निकाय के चुनाव होने वाले हैं, उसमें अरुण साव का काम नजर आएगा। साव अभी नगरीय प्रशासन मंत्री हैं।

बिना दोष के 78 दिन की सजा ?

कवर्धा कांड में निलंबित आईपीएस विकास कुमार को सरकार ने बहाल कर दिया है। सरकार ने 2020 के आईपीएस विकास कुमार को कवर्धा कांड में पाक-साफ़ भी घोषित कर दिया है। कवर्धा गृह मंत्री विजय शर्मा का विधानसभा क्षेत्र और गृह जिला है। कवर्धा कांड में एक युवक की पुलिस प्रताड़ना से मौत के बाद सरकार ने जिले में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास कुमार को निलंबित कर दिया था। इस साल 18 सितंबर को निलंबित एएसपी को सरकार ने डीजीपी की रिपोर्ट के आधार पर छह दिसंबर को बहाल कर दिया। कहते हैं आईपीएस के निलंबन की सूचना न तो भारत सरकार को दी गई और न ही कोई जाँच दल बनाया गया, यहां तक की आईपीएस को कोई आरोप पत्र भी नहीं दिया गया। डीजीपी ने कवर्धा कांड में एएसपी की न तो अनियमितता पाई और न ही लापरवाही। अब सवाल उठ रहा है कि जब एएसपी विकास कुमार ड्यूटी पर चाकचौबंद थे, तो आनन-फानन में निलंबित क्यों किया गया और इतने दिन निलंबित क्यों रखा गया ? अब सरकार ने विकास कुमार के निलंबन अवधि को ड्यूटी मान लिया है। आदेश से लगता है सरकार ने हड़बड़ी और दबाव में फैसला लिया था। विकास कुमार के निलंबन के बाद सरकार ने कबीरधाम के कलेक्टर पद से जन्मजेय महोबे और एसपी पद से अभिषेक पलल्व को हटा दिया था।

महापौर की तैयारी में प्रमोद

कांग्रेस नेता और पूर्व महापौर प्रमोद दुबे एक बार फिर रायपुर से महापौर चुनाव की तैयारी में लग गए हैं। प्रमोद दुबे अभी रायपुर नगर निगम के सभापति हैं। रायपुर लोकसभा का चुनाव लड़ चुके प्रमोद दुबे पिछली दफे भी महापौर बनना चाहते थे, पर तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रमोद की जगह ऐजाज ढेबर को प्राथमिकता दी। समझौते के तौर पर प्रमोद को सभापति की कुर्सी मिल गई। इस बार महापौर जनता सीधे चुनेगी, ऐसे में जिसकी जमीन मजबूत होगी, वही मैदान मार पाएगा। रायपुर महापौर का पद सामान्य रहता है या फिर महिला या ओबीसी के लिए आरक्षित,यह लाटरी से तय होगा, पर प्रमोद दुबे ने सक्रियता दिखाकर अपने इरादे साफ़ कर दिए हैं। प्रमोद दुबे रायपुर दक्षिण विधानसभा का उपचुनाव भी लड़ना चाहते थे। सबसे पहले फार्म भी खरीद लिया था, पर कांग्रेस पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दी और आकाश शर्मा को मौका दे दिया। आकाश शर्मा चुनाव हार गए।

मंत्रालय स्टाफ की सर्जरी

वैसे तो मंत्रालय में पदस्थ कर्मचारियों का विभाग बदलता है, लेकिन पिछले दिनों जिस तरह थोक में मंत्रालय स्टाफ का प्रमोशन और विभाग बदले हैं, वह अपने आप में अनूठा है। छत्तीसगढ़ बनने के बाद मंत्रालय में करीब 176 कर्मचारियों का पहली बार तबादला हुआ है। एक विभाग या सेक्शन में जमे कर्मचारी इधर से उधर किए गए हैं, तो मलाईदार सेक्शन में तैनात लोगों को भी हिला दिया गया है। प्रमोशन पाने के बाद वहीं पदस्थ करने की परंपरा को भी तोड़ दिया गया है। कहते हैं मंत्रालय में व्यापक सर्जरी की मांग कर्मचारियों का एक धड़ा कर रहा था। नए प्रयोग से मंत्रालय का कामकाज कितना तेज होता है, यह समय बताएगा, लेकिन इस व्यापक सर्जरी से सालों से लूप लाइन में पड़े कर्मचारी गदगद हैं।

डीजीपी के लिए तीन नामों का पैनल

कहते हैं छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी के लिए अब तीन नामों का पैनल भारत सरकार को भेजा गया है। कहा जा रहा है कि डीजीपी के लिए पुलिस मुख्यालय से पहले पांच नाम का पैनल गया था। दिल्ली से आपत्ति के बाद कांट-छांटकर तीन नाम कर दिया गया। बताते हैं पहले डीजी अरुणदेव गौतम, पवनदेव, हिमांशु गुप्ता, एडीजी प्रदीप गुप्ता और एसआरपी कल्लूरी के नामों का पैनल बना था। वर्तमान डीजीपी अशोक जुनेजा का कार्यकाल पांच फ़रवरी तक है। वैसे कुछ लोगों का कहना है अशोक जुनेजा छह महीने और एक्सटेंशन के लिए प्रयासरत हैं। अब अंतिम निर्णय भारत सरकार को लेना है। पांच फ़रवरी के बाद अशोक जुनेजा ही डीजीपी रहते हैं या किसी नए को कमान देते हैं, इसका लोगों को इंतजार है।

पुलिस में फेरबदल की कवायद

कहते हैं कि अगले हफ्ते राज्य में पुलिस के कुछ आला अफसरों में फेरबदल संभव है। चर्चा है कि कई एसपी और आईजी स्तर के अधिकारी प्रभावित हो सकते हैं। मैदानी इलाके के साथ सरगुजा और बस्तर संभाग के पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर की संभावना है। साय सरकार में पुलिस महकमे में शीर्ष स्तर पर छिटपुट तबादले होते रहे हैं, पर व्यापक परिवर्तन नहीं हुआ है, जबकि राज्य में कानून-व्यवस्था बड़ा मुद्दा बन गया है।

भूपेश पीड़ित पुलिस अफसरों की गुहार

भूपेश सरकार में निशाने पर रहे दो पुलिस अफसरों ने साय सरकार को आवदेन देकर न्याय की गुहार की है। बताते हैं कि दोनों पुलिस अफसरों ने कहा है कि पिछली सरकार ने उनके साथ दुर्भावनापूर्वक कार्रवाई की। खबर है कि साय सरकार ने दोनों पुलिस अफसरों के आवदेन पर विधि विभाग और महाधिवक्ता से राय मांगी है। अब देखते हैं क्या होता है। साय को न्याय के लिए आवदेन करने वाले पुलिस अफसरों में एक अब रिटायर्ड हो चुके हैं, जबकि एक अभी सेवा में हैं। कांग्रेस सरकार ने दोनों के खिलाफ कई जाँच शुरू करने के साथ निलंबन की कार्रवाई की थी।

सचिव स्तर में फेरबदल की चर्चा

कहा जा रहा है कि अगले हफ्ते मंत्रालय में सचिव स्तर के अफसरों में कुछ फेरबदल हो सकता है। माना जा रहा है कि सचिव स्तर के अधिकारी अमित कटारिया की सामान्य प्रशासन विभाग में आमद के बाद अब तक पोस्टिंग लंबित है। माना जा रहा है कि इस फेरबदल में कुछ सचिवों को हलका किया जा सकता है। अभी कुछ अफसरों के पास दो-तीन विभाग हैं। कुछ अफसर ऐसे हैं, जो लंबे समय से एक ही विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, उनमें कुछ बदलाव किया जा सकता है।